www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 215 || लखनऊ
शुक्रवार
06 नवंबर 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:19
सूर्यास्त: 05:20
अधिकतम: 30°00
न्यूनतम: 17°00

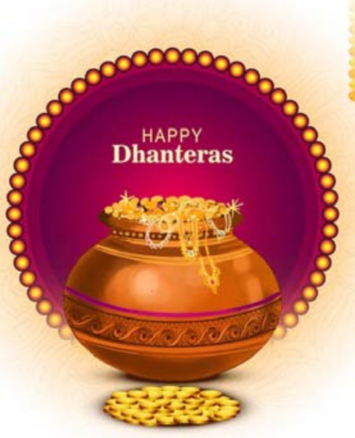

विशेष समाचार | धनतेरस: धन की पूजा नहीं ... >> पेज 04 | दिवाली-छठ पर ट्रेनों में सीटों का ... >> पेज 06 | रामायण में कैकेयी का ...

अंबाला में ₹600 करोड़ के म्यूजियम का लोकार्पण किया, कहा- हरियाणा नंबर वन

राहुल अराजकता फैला रहे, चौराहे पर डिबेट का न्योता : अमित शाह

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

अंबाला, करनाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंबाला में 600 करोड़ रुपए की लागत से बने 1857 की क्रांति के शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने गांधी मैदान में रैली को संबोधित किया। अंबाला की रैली में उनका पूरा फोकस हरियाणा की विकास योजनाओं के बारे में रहा। यहां उन्होंने सीएम सैनी की तारीफ करते हुए कहा- हरियाणा की सरकार अपने सारे वादे पूरे कर रही है।

अपने भाषण में उन्होंने कई बार 'मेरा हरियाणा' कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''MSP पर 24 फसलें खरीदने वाला देश का पहला राज्य हरियाणा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला भी हरियाणा।

>> (शेष पेज 06 पर)

हाइलाइट्स

- गृहमंत्री शाह ने अंबाला में 600 करोड़ रुपए की लागत से बने म्यूजियम का लोकार्पण किया
- करनाल में गृहमंत्री की पदयात्रा केवल 150 मीटर की रही। पहले इसका रूट 1.4 किलोमीटर का था।
- पदयात्रा में शाह के एक ओर पूर्व सीएम खट्टर तो दूसरी ओर सीएम नायब सैनी झंडा लेकर चले।

शाह ने आगे कहा कि मनोहरलाल खट्टर और सीएम नायब सैनी ने 12 साल में हरियाणा के लिए आमूलचूल परिवर्तन किया। हर घर में गैस का सिलेंडर पहुंचा। एमएसपी पर 24 फसलें खरीदने वाला देश का पहला राज्य हरियाणा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला राज्य बना। पहली बार एलिवेटिड रेलवे ट्रैक यहीं बना। पढ़ी-लिखी पंचायत का काम भी सबसे पहले हरियाणा ने किया। मैंने मनोहरलाल को कहा था- लोग नाराज न हो जाएं, लेकिन उन्होंने हिम्मत दिखाई।

शाह ने कहा- खेलों की तालिका में हरियाणा टॉप

अमित शाह ने कहा कि हरियाणा की इसी वीर भूमि पर महाराजा अग्रसेन ने प्रशासन का भारतीय मॉडल दिया। यहीं राजा नाहर सिंह और राव तुलाराम ने आजादी की लड़ाई लड़ी। उसी वीर परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज सेना में देश के किसी भी प्रदेश के मुकाबले सबसे ज्यादा जवान हरियाणा से हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय खेलों में पदकों की तालिका बनती है और भारत की रैंकिंग धीरे-धीरे ऊपर आती है, तो भारत में नंबर वन स्थान हरियाणा का होता है। शाह ने कहा- खेलों में अंक तालिका ऊपर बढ़ती है तो हरियाणा की वजह से। जब देश को अन्न क्षेत्र में निर्भर होने की जरूरत थी, तब हरियाणा ने भंडार भरे। श्वेत क्रांति में भी हरियाणा का योगदान रहा। अब 584 करोड़ की कीमत से बना स्मारक अद्भुत है। विज मुझे आमंत्रण देने आए थे। विज जब बोलना शुरू करते हैं तो चुप कराना मुश्किल होता है। जब तक ये स्मारक रहेगा, विज को भी अंबाला के लोग याद रखेंगे।

करनाल दौरे पर अमित शाह की 5 बड़ी बातें

■ **संसद नहीं चलने देते राहुल, सड़क पर अराजकता फैलाते हैं:** अमित शाह ने राहुल गांधी पर संसद बाधित करने और चर्चा से भागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शोर-शराबा कांग्रेस का कल्चर बन चुका है और अब वे सड़कों पर भीड़ जुटाकर अराजकता फैला रहे हैं।

■ **हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे राहुल:** शाह ने कहा कि लगातार हार के बाद राहुल अपनी नाकामी स्वीकारने के बजाय चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। हारने पर रेफरी को ही चीटर बताना उनकी आदत बन गई है।

■ **घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटेंगे, राहुल विरोध कर रहे:** अमित शाह ने कहा कि मतदाता सूची (SIR) से फर्जी और अवैध घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं तथा उन्हें देश से बाहर निकाला जाएगा, लेकिन राहुल गांधी उनका समर्थन कर रहे हैं।

■ **राहुल चाहें तो हरियाणा के किसी चौराहे पर बहस कर लें:** शाह ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर राहुल को सड़क पर चर्चा का शौक है तो हरियाणा का कोई चौराहा तय कर लें, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष ही बहस के लिए आ जाएगा। संसद की बात सड़क पर नहीं होनी चाहिए।

■ **राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस के विधायक लगातार घटे:** शाह ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों की संख्या 1200 से घटकर 600 रह गई है, जबकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का निरंतर विस्तार हुआ है।

शाह बोले- अंबाला की भूमि से क्रांति की आग देश में फैली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- अनिल विज को विशेष बधाई देना चाहता हूं कि एक लंबे संघर्ष के बाद आज उनके प्रयास से मनोहर लाल और नायब सिंह सैनी दोनों के प्रयास से 1857 की क्रांति का स्मारक अंबाला में बना है। हम उसी कैंट की भूमि पर बैठे हैं, जहां 10 मई को 1857 को क्रांति शुरू हुई और देश भर में देखते ही देखते फैल गई थी।

अगले 6 महीने में 1 लाख नौकरी देंगे : सीएम योगी

इधर इंटरव्यू खत्म, उधर रिजल्ट आएगा

सिलेक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

28 फोरेंसिक अफसरों को बांटे जॉइनिंग लेटर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को 28 नवनियुक्त वैज्ञानिक अफसरों को जॉइनिंग लेटर सौंपे। यूपीपीएससी ने इन अफसरों का सिलेक्शन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा- हम अगले 6 महीने में 1 लाख नौकरी देंगे। आज का उत्तर प्रदेश बदल चुका है। अब यहां बिना किसी सिफारिश, बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी के साथ युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं। योगी ने कहा- आज यूपी में योग्यता ही चयन का एकमात्र पैमाना है। अगर कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा, तो उसे जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। योगी ने कहा- एक दौर वह भी था, जब यूपी में सरकारी नौकरियों के नाम पर भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। योग्य युवा दर-दर भटकने को मजबूर थे। लेकिन, आज हमारी सरकार ने पूरी व्यवस्था को बदल कर रख दिया है। इन 28 साइंटिफिक अफसरों की भर्ती इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

>> (शेष पेज 06 पर)

जंतर-मंतर हिंसा मामले में कम शिकायतें मिलीं : सुप्रीम कोर्ट

प्रदर्शनकारियों और पुलिस पर हमले के पर्याप्त सबूत नहीं

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की ज्यादती की जांच कर रही कमेटी को अब तक बहुत कम शिकायतें मिली हैं। पर्याप्त सामग्री नहीं होने के कारण कमेटी फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली हाई पावर्ड इन्क्वायरी कमेटी (HPEC) ने कोर्ट को बताया कि शिकायतों के लिए पोर्टल और ईमेल की व्यवस्था करने के बावजूद लोगों ने बहुत कम शिकायतें दर्ज कराईं। 29 अक्टूबर को कमेटी की बैठक में सिर्फ एक शिकायतकर्ता हलफनामे के साथ पहुंचा था।

ग्रोवर ने कहा कि हिंसा के मामलों में एक भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने की अनुमति किसने दी थी। उनके मुताबिक, कमेटी की रिपोर्ट में केंद्र सरकार ने इस मामले में कोई जानकारी नहीं दी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

हैदराबाद जेल में बना देश का पहला जेंडर न्यूट्रल सेल

हैदराबाद। पहले जेल में सिर्फ पुरुष और महिला वार्ड होते थे। ट्रांसजेंडर कैदियों को किस वार्ड में रखा जाए, ये बड़ी दिक्कत थी। अब उनके लिए अलग जेंडर-न्यूट्रल सेल होगा, जहां वो अपनी पहचान के हिसाब से रह सकेंगे और अपनी पसंद के कपड़े भी पहन सकेंगे।

केरलम मर्सिडीज टक्कर, आरोपी के पिता जज को जमानत

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने मर्सिडीज-बेंज सड़क हादसे के नाबालिग आरोपी के जज पिता को अग्रिम जमानत दे दी है। एडिशनल सेशन जज कविता गंगाधरन ने गुरुवार को पीड़ित परिवार की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा है, इस बात के सबूत नहीं मिले। उसके पिता जज न्यायिक अधिकारी हैं और जांच में सहयोग कर चुके हैं। उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करना जरूरी नहीं है।

एमपी से हरदीप पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुने गए

भोपाल। मध्यप्रदेश से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुन लिए गए हैं। उनके निर्वाचन के साथ प्रदेश में राज्यसभा का संख्या समीकरण बदल गया है। अब 11 सीटों में भाजपा के 9 और कांग्रेस के 2 सांसद हैं। पुरी के नामांकन में 100 से ज्यादा कमियां होने का दावा करते हुए कांग्रेस ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं।

हिरासत के बाद 24 घंटे में पेशी जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

देरी होने पर व्यक्ति को रिहा करना होगा

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हिरासत के बाद कोर्ट में पेश करने की 24 घंटे की समय सीमा को साफ किया। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समयसीमा उसे हिरासत में लेते ही शुरू हो जाएगी। यह समय औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज होने के समय से नहीं गिना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जांच एजेंसियां किसी व्यक्ति को पहले हिरासत में लेकर बाद में उसकी गिरफ्तारी दर्ज करने का रास्ता नहीं अपना सकतीं।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला गिरफ्तार त्रिपुरा के चार लोगों की याचिका से जुड़ा है। इनका आरोप है कि हिरासत में लेने और गिरफ्तारी दर्ज करने के बीच करीब 21 घंटे का अंतर था। मामले की सुनवाई जस्टिस उज्जवल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंद्रकुर की बेंच में हुई। मामला त्रिपुरा में 11.03 किलो याबा टैबलेट की जब्ती से जुड़ा था।

>> (शेष पेज 06 पर)

आदेश जारी, 75% पैसा ढा में जमा होगा, इस साल रिटायर हुए कर्मियों को मिलेगा ज्यादा फायदा

यूपी में कर्मचारियों को 30 दिन का बोनस मिलेगा

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को दिवाली पर 30 दिन के बोनस का तोहफा दिया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद वित्त विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने गुरुवार शाम 7 बजे आदेश जारी किया। इससे करीब 14.50 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 6,908 रुपए बोनस मिलेगा।

बोनस गणना और अधिकतम धनराशि

■ बोनस की गणना के लिए मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 रुपये प्रति माह तय की गई है।

■ एक महीने में औसत दिनों की संख्या 30 .4 मानकर गणना की जाएगी। इस आधार पर अधिकतम बोनस 6,908 बनेगा।

■ छह कार्य दिवसीय सप्ताह वाले कार्यालयों में कम से कम तीन वर्ष से लगातार कार्यरत और हर वर्ष न्यूनतम 240 दिन काम करने वाले दैनिक भोगी भी इसके दायरे में आएंगे। उनके लिए अधिकतम परिलब्धि 1200 रुपये प्रति माह मानते हुए 1184 रुपये का बोनस तय किया गया है।

किसे मिलेगा बोनस और कितनी मिलेगी रकम?

1 **लेवल-8 तक के कर्मचारी पात्र:** 47,600 से 1,51,100 रुपये वेतनमान वाले और पुराने वेतनमान में 4,800 रुपये ग्रेड पे तक के अराजपत्रित कर्मचारी बोनस के पात्र होंगे।

2 **अधिकतम 6,908 रुपये बोनस:** 7,000 रुपये अधिकतम मासिक वेतन के आधार पर 30 दिन का बोनस मिलेगा।

3 **दैनिक वेतनभोगियों को 1,184 रुपये:** लगातार तीन साल काम करने वाले पात्र दैनिक कर्मचारियों को अधिकतम 1,184 रुपये बोनस दिया जाएगा। इसके लिए साल में 240 दिन (6 दिन का सप्ताह) या 206 दिन (5 दिन का सप्ताह) काम जरूरी है।

किन कर्मचारियों को नहीं मिलेगा बोनस?

दंडित कर्मचारियों को लाभ नहीं: जिन कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई या आपराधिक मुकदमे में सजा मिली है, उन्हें बोनस नहीं दिया जाएगा।

जांच या मुकदमा लंबित है तो रुकेगा बोनस: जिन कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच या आपराधिक मुकदमा चल रहा है, उनका बोनस फैसला आने तक रोक दिया जाएगा। कर्मचारी दोषमुक्त होता है तो रुका हुआ बोनस जारी किया जाएगा।

एक साल की सेवा जरूरी: बोनस का लाभ उन्हीं कर्मचारियों को मिलेगा, जिन्होंने 31 मार्च 2026 तक लगातार एक साल की सेवा पूरी कर ली है।

घटना : 4 घायल, कई लोगों के दब होने की आशंका, इस साल शहर का छठा बड़ा हादसा

दिल्ली में 3 मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी, 2 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। NDRF, दिल्ली पुलिस और MCD की टीमें भी रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं। MCD ने मामले में दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इनमें असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग) मोहम्मद नईम और जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग) अमन दलाल शामिल हैं। दिल्ली में इस साल इमारत गिरने का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 5 हादसों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सत्य निकेतन और सीमापुरी हादसे शामिल हैं। जान गंवाने वालों में कई छात्र भी थे। MCD के एक अधिकारी के मुताबिक, इमारत का निर्माण चल रहा था, लेकिन करीब 15 दिन पहले काम रोक दिया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने इमारत गिरने की घटना पर सीएम रेखा गुप्ता सरकार और एमसीडी को घेरा। उन्होंने एक्स पर कहा कि कई बार सुरक्षा ऑडिट के आदेश के बावजूद दिल्ली में इमारतें गिर रही हैं। भारद्वाज ने सरकारी विभागों पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो लोग रिश्वत नहीं देते, उनकी इमारतें सील कर दी जाती हैं, जबकि दूसरी इमारतों पर कार्रवाई नहीं होती।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- 3-4 महीने से बन रही थी बिल्डिंग

प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद नईम ने बताया कि इमारत पिछले 3-4 महीने से बन रही थी। तीन-चार लिंटर डाले जा चुके थे और वे सभी एक साथ गिर गए। घटना के समय करीब तीन-चार लोग मौजूद थे। एक शव को मलबे से बाहर निकालते हुए देखा गया है।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की फायरिंग, 7 की मौत

मशीनगन और ड्रोन से प्रदर्शनकारियों पर हमला किया

तमसा संकेत, एजेंसी

रावलकोट। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) के रावलकोट में गुरुवार को प्रदर्शन-कारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने फायरिंग की है। इसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं।

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (UKPNP) ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भारी मशीनगनों और ड्रोन से हमला किया। घटना को लेकर अभी तक पाकिस्तानी अधिकारियों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। UKPNP के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने मटियालमेरा बस टर्मिनल, उमर फारूक चौक और रावलकोट की दूसरी जगहों पर चल रहे धरनों पर कार्रवाई की। पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के साथ ड्रोन से हमले भी किए। इस दौरान भारी मशीनगनों और बख्तरबंद गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। PoK में 7 जून से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

बोले- बेटी रोज पूछती है घर कब आओगे, पुलिस पर लात से मारने का आरोप

शिक्षा मंत्री के आवास पर रो पड़े शिक्षक-अभ्यर्थी

घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में गुरुवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। करीब एक घंटे तक आवास के बाहर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी शंख और घंटियां बजाकर मंत्री को बाहर बुलाने की कोशिश करते रहे। उनका कहना था कि जब उनकी आवाज मंत्री तक नहीं पहुंच रही है, तो वे शंखनाद कर रहे हैं। इस दौरान अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है, आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने

माना है, आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। कुछ अभ्यर्थी मंत्री के सामने जमीन पर लेट गए और हाथ जोड़कर नौकरी देने की गुहार लगाने लगे। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाकर बसों में बैठाया।

प्रदर्शन में शामिल एक अभ्यर्थी ने रोते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने बस में बैठाने के बाद उन्हें लातों से मारा। वहीं, 11 दिन से भूख हड़ताल कर रहे एक अभ्यर्थी की प्रदर्शन के दौरान तबीयत बिगड़ गई। आजमगढ़ से आए प्रदर्शनकारी फूट-फूटकर रोने लगे। कहा ढाई महीने से घर नहीं गए हैं। उनकी तीन साल की बेटी बीमार है। वह रोज वीडियो कॉल कर पूछती है कि पापा घर कब आएंगे। मैनपुरी से आए आशीष कुमार ने बताया कि घर में

'बस में भरकर लातों से मारा'

प्रदर्शन में शामिल एक अभ्यर्थी ने रोते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने बस में भरकर उन्हें लातों से मारा। अभ्यर्थियों ने पुलिस पर बेरहमी से पीटने, गाली देने और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि पिटाई के बाद उसका पैर उठ नहीं रहा, फ्रैक्चर हो गया है। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि सरकार दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों की मांगों को अनसुना कर रही है।

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि भर्ती परीक्षा के 150 पूर्णांक में 60 अंक यानी 40 प्रतिशत को पासिंग मार्क्स मानते हुए परिणाम संशोधित किया जाए और नई चयन सूची जारी की जाए।

बीमार बेटी को छोड़कर प्रदर्शन में आए

आजमगढ़ से आए घनश्याम प्रदर्शन के दौरान बिलख पड़े। उन्होंने बताया कि ढाई महीने से घर नहीं गए हैं। उनकी तीन साल की बेटी बीमार है और रोज वीडियो कॉल कर पूछती है कि पापा घर कब आएंगे।

घनश्याम ने बताया कि हाल ही में बेटी को 15 दिन मेडिकल कॉलेज में भर्ती रखना पड़ा था। ऑपरेशन के बाद उसकी एक्सरसाइज होनी थी, लेकिन वह बेटी को छोड़कर प्रदर्शन में शामिल होने लखनऊ आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोग उनके दर्द को नहीं समझ रहे।

उनकी बहन की शादी है, लेकिन वह नियुक्ति की मांग को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार और रिश्तेदार बहन की विदाई के लिए जुटे हैं, जबकि वह अपनी बहन और परिवार को छोड़कर यहां बैठे हैं। उन्होंने इसे पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों की मजबूरी बताया।

'जो राम-कृष्ण में भेद बताए, कथावाचक नहीं, ढोंगी है'

लखनऊ में सपा मुख्यालय के बाहर लगे 2 होर्डिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर होर्डिंग के जरिए सियासी संदेश देने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को सपा मुख्यालय के बाहर दो नई होर्डिंग लगाई गईं। पहली होर्डिंग में लिखा है- '27 में कृष्ण आएंगे'। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बांसुरी बजाते भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीर लगाई गई है। यह होर्डिंग सपा नेता मोहम्मद अजीम ने लगवाई है।

अजीम ने धीरेंद्र शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि बयान से करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अजीम ने धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ FIR दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की।

अजीम ने आरोप लगाया कि धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा, उनके नाम और बांसुरी बजाने की शैली पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। साथ ही भगवान श्रीराम से उनकी तुलना करते हुए अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण प्रेम, करुणा, न्याय, नीति और धर्म की स्थापना के प्रतीक हैं। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण दोनों सनातन धर्म के आराध्य हैं। एक की महिमा बताने के लिए दूसरे के स्वरूप को कमतर दिखाना उचित नहीं है। सुजीत यादव ने कहा कि कथा के नाम पर व्यापार करने वाले देवी-देवताओं का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धीरेंद्र शास्त्री ने पहले भगवान श्रीकृष्ण और अब भगवान श्रीराम को लेकर आपत्तिजनक बातें कही हैं।

फास्ट न्यूज

लखनऊ एयरपोर्ट को एसीआई के तीन सम्मान मिले

सरोजनी नगर, लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को यात्री सुविधाओं और सेवाओं के लिए एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (ACI) के तीन सम्मान मिले हैं। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा संचालित इस एयरपोर्ट को एएसक्यू अवॉर्ड्स 2025 के तहत ये सम्मान दिए गए। गुरुवार, 5 नवंबर को ACI के प्रतिनिधियों ने एयरपोर्ट का दौरा किया और तीनों पुरस्कार सौंपे।

राम स्वरूप विश्वकर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ । लखनऊ में पिछड़ा दलित समाज सेना ने मध्य प्रदेश में संगठन विस्तार करते हुए शिवपुरी निवासी राम स्वरूप विश्वकर्मा को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। संगठन के केंद्रीय कार्यालय लखनऊ से राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार अभियान के तहत यह घोषणा की गई। मनोनयन पत्र संगठन के संयोजक अंकित श्रीवास्तव की ओर से जारी किया गया। संगठन नेतृत्व ने उम्मीद जताई कि राम स्वरूप विश्वकर्मा अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता के आधार पर मध्य प्रदेश में संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। संगठन का उद्देश्य देशभर में पिछड़े, दलित, वंचित और शोषित वर्गों को एकजुट कर उनके विकास के लिए कार्य करना है।

मांस ले जाने में वांछित तीसरा आरोपी गिरफ्तार

मलिहाबाद। रहीमाबाद थाना पुलिस ने मांस की तस्करी के मामले में वांछित चल रहे तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हरदोई जिले के संडीला थाना क्षेत्र के मुन्नू खेड़ा गांव निवासी इस्लामुद्दीन (36) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अब चौथे आरोपी की तलाश जारी है।

सीएम योगी अचानक अस्पताल पहुंचे, आसपास गंदगी मिली

नगर निगम ने सफाई एजेंसी पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को चिनहट स्थित चंदन हॉस्पिटल में भर्ती पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह का हाल जानने पहुंचे थे। उस VIP दौरे के दौरान अस्पताल के आसपास सड़क पर गंदगी मिली थी, जिसके बाद नगर निगम प्रशासन ने एक्शन लिया है। वहां से सीएम के जाने के बाद नगर निगम ने सफाई एजेंसी पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। देर रात बुलडोजर चलाकर वहां के अतिक्रमण ध्वस्त करवा दिए।

मुख्यमंत्री के दौरे में सड़क पर गंदगी मिलने को लेकर जोनल सेनेटरी ऑफिसर ने 'लखनऊ स्वच्छता अभियान' (LSA) पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। साथ ही एक सुपरवाइजर समेत 10 सफाई कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

इस ताबड़तोड़ एक्शन पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। इलाके में रोड स्वीपिंग का जिम्मा फिलहाल 'लॉयन सिक्योरिटी' के पास है। ऐसे में जब काम दूसरी कंपनी के पास है, तब LSA पर 15 लाख की पेनल्टी लगाने और कर्मचारियों को हटाने के औचित्य पर उंगुली उठ रही है।

सीएम के दौरे के बाद रात 11 बजे लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत चंदन हॉस्पिटल के आसपास के इलाके का निरीक्षण करने पहुंच गए थे। कमिश्नर की मौजूदगी की खबर मिलते ही नगर निगम और एलडीए के अफसर भी मौके पर दौड़े। कमिश्नर ने चिनहट तिराहे से चंदन हॉस्पिटल रोड पर फैले अतिक्रमण और जर्जर सर्विस लेन को देखकर कड़ी नाराजगी जताई और तुरंत व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा।

विधायक बेचकर भाजपा की सरकारें बनवाने वाली कांग्रेस पहले अपने गिरेबान में झांके: संजय सिंह

'आम आदमी पार्टी अब 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं'

तमसा संकेत, संवाददाता

सुल्तानपुर/लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को सुल्तानपुर में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हालिया बयान पर जोरदार पलटवार किया। पंजाब की एक रैली में खड़गे द्वारा आम आदमी पार्टी को भाजपा की 'बी' टीम बताए जाने पर सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास और उसके विधायकों की खरीद-फरोख्त का कच्चा चिट्ठा खोलते हुए कहा कि असल में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक देश भर में भाजपा की सरकारें बनवाने का अपराध स्वयं कांग्रेस

तमिलनाडु में 59, बंगाल में 54, यूपी में 37 और गुजरात में 31 साल से हार रही कांग्रेस, क्या आप हरवा रही है?: संजय सिंह

अशोक चव्हाण, अमरिंदर सिंह और हिमंत बिस्वा सरमा को भाजपा में भेजने वाली पार्टी खुद को संभाले

भगवंत मान के जनहित कार्यों पर जनता की मुहर, ओछी बयानबाजी से लोकप्रियता कम नहीं होगी

पार्टी ने किया है। कांग्रेस की चुनावी विफलताओं का ब्योरा देते हुए सांसद संजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस तमिलनाडु में 59 साल, पश्चिम बंगाल में 54 साल, सिक्किम में 47 साल, त्रिपुरा में 38 साल, उत्तर प्रदेश में 37 साल, बिहार में 36 साल, गुजरात में 31 साल और ओडिशा में 26 साल से लगातार चुनाव हार रही है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, असम, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में भी वह पिछले 10 से 23 सालों से शिकस्त झेल रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब इन राज्यों में आम आदमी पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था, तब कांग्रेस क्यों हार रही थी? कांग्रेस को अपनी कमजोरियों और नाकामियों का मूल्यांकन करना चाहिए।

विधायक बेचकर भाजपा की सरकारें बनवाती है कांग्रेस, दूसरों पर उंगली उठाना बंद करे

कांग्रेस अध्यक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि 2016 में अरुणाचल प्रदेश में जनता ने कांग्रेस को जिताया, लेकिन पूरी की पूरी कांग्रेस पार्टी और उसके विधायक भाजपा में चले गए और भाजपा की सरकार बनवा दी। 2016 में उत्तराखंड में 9 विधायक, 2017 में गोवा में 13 विधायक और 2022 में फिर 8 विधायक, 2019 में कर्नाटक में 13 विधायक और 2020 में मध्य प्रदेश में 22 कांग्रेसी विधायक टूटकर भाजपा में शामिल हो गए और भाजपा की सरकारें बनवाईं। पूरे देश में कांग्रेस के विधायक टूट-टूट कर भाजपा की झोली में गिरते हैं, जिससे भाजपा मजबूत होती है। ऐसी पार्टी को आम आदमी पार्टी पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आप नेता भाजपा से लड़कर जेल गए, कांग्रेस अपने चार नेताओं के नाम बताए: संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी वह पार्टी है जिसके सबसे बड़े नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा से लड़ते हुए जेल गए। पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और खुद वे (संजय सिंह) जेल गए। विपक्ष में हेमंत सोरेन जेल गए, टीएमसी और डीएमके के तमाम नेता जेल गए। कांग्रेस बताए कि भाजपा से लड़ते हुए उनके कौन से चार बड़े नेता जेल गए हैं? कांग्रेस के पास अपनी कोई साख नहीं बची है और वह आम आदमी पार्टी पर अनर्गल आरोप लगा रही है।

बीबीडी ग्रीन सिटी में 231 लग्ज़री विला, टाउनशिप बीबीडी ग्रीन सिटी के भीतर 24 एकड़ में फैली

विराज कंस्ट्रक्शंस ने लॉन्च की बीबीडी एम्ब्रोसिया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बीबीडी समूह की कंपनी विराज कंस्ट्रक्शंस प्रा. लि. (वीसीपीएल) ने 31 अक्टूबर को लखनऊ के आईटीसी फॉर्च्यून पार्क बीबीडी में आयोजित समारोह में 4 बीएचके और 5 बीएचके विला की सिग्नेचर लग्ज़री परियोजना बीबीडी एम्ब्रोसिया लॉन्च की।

समारोह में चेयरमैन श्री विराज सागर दास और श्रीमती देवांशी सागर दास के साथ श्री अमित श्रीवास्तव और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। शहर के लगभग 200 चैनल पार्टनर और रियल एस्टेट ब्रोकर भी शामिल हुए। परियोजना की प्रस्तुति हेड ऑफ़ सेल्स श्री बृजेश पाण्डेय ने दी।

बीबीडी एम्ब्रोसिया 318 एकड़ की

टाउनशिप बीबीडी ग्रीन सिटी के भीतर 24 एकड़ में फैली है। इसमें 231 विला हैं, यानी प्रति एकड़ लगभग 10 विला। परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हरित और खुला क्षेत्र है, और इसके केंद्र में 66,000 वर्ग फुट का षट्कोणीय बहुउद्देशीय पार्क है। 4 बीएचके विला का निर्मित क्षेत्र लगभग 3,100 वर्ग फुट है। लिफ्ट वाले 5 बीएचके विला का निर्मित क्षेत्र लगभग 4,500 वर्ग फुट है। श्री पाण्डेय ने कहा, ₹बीबीडी एम्ब्रोसिया अपने स्थान, निर्माण गुणवत्ता और जीवनशैली में अनूठी है। यह शहर के बीच एक हरित परियोजना है, जहां रोज़मर्रा की सभी सुविधाएं कुछ ही दूरी पर हैं। इसे उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो हरित, टिकाऊ और सिग्नेचर

कंपनी के अनुसार, पिछले तीन-चार वर्षों में लखनऊ में लग्ज़री जीवनशैली की मांग लगातार बढ़ी है। साइट पर विकास कार्य शुरू हो चुका है और परियोजना लगभग ढाई वर्ष में पूरी होने की उम्मीद है। फेज़ 1 लॉन्च हो चुका है, और फेज़ 2 मार्च 2027 तक लॉन्च करने की योजना है।

प्रीमियम जीवनशैली चाहते हैं।

सुविधाएं : 24x7 गेटेड सुरक्षा, सीसीटीवी के साथ तीन-स्तरीय सुरक्षा, कम्युनिटी क्लबहाउस, सेंट्रल पार्क और पैटियो, बच्चों का क्षेत्र और प्ले ज़ोन, नेचर वॉक और जॉगिंग ट्रैक। ये डेवलपर की वेबसाइट पर Ambrosia Estates Phase I नाम से सूचीबद्ध हैं।

राजधानी में दिवाली से पहले इंडेन ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल

3 दिन से सिलेंडर नहीं पहुंचाए, 80 एजेंसियों को नहीं मिली गैस

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में दिवाली पर गैस सिलेंडर की किल्लत की आशंका गहराती जा रही है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन जिले में इंडेन की 80 एजेंसियों को सिलेंडर सप्लाई नहीं हुए। इसकी वजह है ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल।

ट्रांसपोर्टर्स इस मांग के साथ सरोजनीनगर में बॉटलिंग प्लांट पर हड़ताल कर रहे हैं कि उन्हें वादे के मुताबिक काम नहीं मिल रहा है। जिससे, उनके ट्रकों का खर्च निकाल पाना मुश्किल हो रहा है। गुरुवार को वे अमौसी स्थित इंडियन ऑयल एलपीजी गैस बॉटलिंग प्लांट में हड़ताल पर बैठे रहे।

तीन दिन से सिलेंडरों की उठान बंद होने से शहर में एलपीजी

सिलेंडरों की कमी बढ़ने लगी है। उपभोक्ताओं को भी परेशानी हो रही है।

हड़ताल खत्म कराने के लिए इंडियन ऑयल के अधिकारियों ने गुरुवार सुबह 11 बजे गोमतीनगर स्थित स्टेट ऑफिस में ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक तय की थी। ट्रांसपोर्टरों ने वहां जाने के बजाय अमौसी गैस प्लांट में बैठक करने की मांग की।

अधिकारियों ने दोपहर 3 बजे प्लांट में बैठक कर समस्या का हल निकालने का भरोसा दिया। लेकिन, तय समय पर कंपनी का कोई अधिकारी प्लांट नहीं पहुंचा। बैठक के लिए आए ट्रांसपोर्टर काफी देर इंतजार के बाद नाराज होकर लौट गए। उन्होंने कंपनी अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई।

ट्रांसपोर्टर राजू यादव, योगेश सिंह, अतुल यादव और प्रवीन यादव ने बताया कि 2023 के टेंडर के समय इंडियन ऑयल ने लखनऊ, बाराबंकी, फैजाबाद, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और सीतापुर की कुल 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम देने का भरोसा दिया था। ट्रांसपोर्टरों के मुताबिक, इसी भरोसे पर उन्होंने बैंक से कर्ज लेकर करीब 206 ट्रक खरीदे।

मजबूती : 31 जनपदों में महिला नेतृत्व वाला दुग्ध मॉडल, 72,669 महिलाएं बनीं 'लखपति दीदी'

दुग्ध शक्ति' से समृद्ध हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने तथा उन्हें 'लखपति दीदी' के रूप में स्थापित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में महिला नेतृत्व वाली मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां ग्रामीण दुग्ध अर्थव्यवस्था में बदलाव की मजबूत धुरी बनकर उभरी हैं। वर्तमान में इन कंपनियों से

लगभग 4.12 लाख महिला दुग्ध उत्पादक संगठित रूप से जुड़ी हैं। इन कंपनियों ने प्रदेश के 31 जनपदों के 7,298 गांवों में अपनी पहुंच स्थापित की है। इन कंपनियों ने स्थापना से अब तक लगभग 5,839 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 132 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। इन कंपनियों से जुड़ी 72,669 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। यह पहल महिलाओं को केवल दुग्ध उत्पादक के रूप में नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक गतिविधियों की सक्रिय भागीदार और उद्यमी के रूप में स्थापित कर रही है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित पांच महिला मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां—बलिनी

सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड मध्य क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,560 गांवों में संचालित है। इससे लगभग 1.12 लाख महिला सदस्य जुड़ी हैं। कंपनी का अब तक लगभग 1,841 करोड़ रुपये का कारोबार रहा है तथा कंपनी ने लगभग 45 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 18,000 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

4 जनपदों के 1,170 गांवों में कार्यरत

श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड गोरखपुर क्षेत्र के 4 जनपदों के 1,170 गांवों में कार्यरत है। कंपनी से 74,350 महिला सदस्य जुड़ी हैं। कंपनी ने स्थापना से अब तक लगभग 370.07 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 4.46 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 6,269 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड तथा सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड—प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में महिला दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर उन्हें बेहतर बाजार, पारदर्शी मूल्य और नियमित आय का आधार उपलब्ध करा रही हैं।

लखनऊ के बाजारों में दिवाली की रौनक

लखनऊ । लखनऊ के बाजारों में दिवाली की रौनक छाने लगी है। कहीं मिट्टी के दीये और हाथ से बनी लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं सज रही हैं, तो कहीं रंग-बिरंगी झालर और टेराकोटा के सामान लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार खरीदारी में परंपरा और स्थानीय कारीगरों के रोजगार का रंग भी दिख रहा है।

कोई बचपन की यादें ताजा करने के लिए मिट्टी के बर्तन खरीद रहा है, तो कोई बच्चों को अपनी पुरानी परंपराओं से जोड़ने के लिए। अमीनाबाद, पत्रकारपुरम, यहियागंज, निशातगंज और चौक के बाजारों में महिलाओं की भीड़ सबसे ज्यादा नजर आ रही है। मनोज गुप्ता पिछले 15 साल से दिवाली पर लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां बेच रहे हैं। उनके पास 100 रुपये से लेकर 5100 रुपये तक की प्रतिमाएं हैं। साधारण देसी मूर्तियों के साथ फैंसी और कोलकाता शैली की प्रतिमाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि मूर्तियों की कीमत उनके आकार और सजावट पर निर्भर करती है।

बीजेपी की रैली में फंसी एंबुलेंस में सिपाही की मौत

पिता बोले-मैं ट्रैफिक पुलिस के सामने गिड़गिड़ाता रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे जाम में फंसी एंबुलेंस में घायल सिपाही की मौत हो गई। टाटमिल चौराहे पर BJP की रैली के चलते दोनों ओर करीब 3 किलोमीटर तक जाम लगा था। मृतक सिपाही प्रांशु सचान के पिता प्रमोद सचान के मुताबिक एंबुलेंस लगभग डेढ़ घंटे चौराहे पर ही ट्रैफिक में फंसी रही। इस दौरान वह एंबुलेंस पास कराने के लिए ट्रैफिक पुलिस से भी गिड़गिड़ाए। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसकी वजह से 4:30 बजे हैलट अस्पताल पहुंच सके। जहां डॉक्टरों ने बेटे को मृत घोषित कर दिया।

घाटमपुर क्षेत्र के मोतीपुर गांव निवासी 22 वर्षीय प्रांशु वर्ष 2025 बैच के सिपाही थे। उनकी तैनाती अंबेडकरनगर की डांडा कोतवाली में थी। प्रांशु को कानपुर देहात, कानपुर नगर, फतेहपुर और

रायबरेली में सम्मन तामील कराने थे। इसके लिए वह मंगलवार को अंबेडकरनगर से कानपुर देहात पहुंचे। यहां उन्होंने रसूलाबाद में पहला सम्मन तामील कराया। इसके बाद वह अपने घर घाटमपुर के मोतीपुर गांव चले गए।

बुधवार की सुबह बस से कानपुर नगर के बिधनू गए। यहां दूसरा सम्मन तामील कराने के बाद फतेहपुर के लिए रवाना हो गए। रास्ते में बाइक से किसी काम से जा रहे उनके पिता प्रमोद सचान उन्हें मिल गए। पिता ने उन्हें फतेहपुर तक बाइक से छोड़ देने की बात कही। प्रांशु पिता की बाइक पर बैठ गए।

कफ सिरप पीकर सोई बच्ची की मौत

मां जगाने पहुंची तो पता चला, डॉक्टर बोले- ओवरडोज से जान गई

मृत्यु

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में गुरुवार को कफ सिरप पीकर सोई 4 साल की बच्ची की मौत हो गई। मासूम अपने माता-पिता के साथ फुफेरे भाई के नामकरण संस्कार में शामिल होने गई थी। वहीं पर गलती से दादी की कफ सिरफ पी ली। इसके बाद वह सोने चली गई। घरवालों को लगा कि बच्ची थककर सो गई है। इसलिए किसी ने उठाया नहीं। सुबह जब देर तक बच्ची नहीं जागी, तो मां उठाने पहुंची। कोई हरकत नहीं हुई तो सीधे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला जिला मुख्यालय से 22 किमी दूर सांडी थाना क्षेत्र के पेराड़ी गांव का है। मेडिकल कॉलेज इमरजेंसी प्रभारी डॉ. अमित आनंद ने बताया कि बच्ची ने कफ सिरप की ओवरडोज ले ली थी।

5 साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप देने पर केंद्र की एडवाइज

बच्चों में कफ सिरप के इस्तेमाल को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवा (DGHS) ने 3 अक्टूबर 2025 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एडवाइजरी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए भी ऐसी दवाएं सामान्य तौर पर अनुशंसित नहीं हैं। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की जांच, निगरानी और तय खुराक का सख्ती से पालन जरूरी है। बच्चों में सामान्य खांसी के कई मामले बिना दवा के ठीक हो जाते हैं।

टड़ियावां थाना क्षेत्र के हर्रई गांव में रहने वाले सद्दाम (32) राजमिस्त्री हैं। पत्नी रेहाना (28), बड़ी बेटी अलकाफिया (4) और 2 साल की छोटी बेटी के साथ रहते हैं। परिवार में मां शबीना बेगम और भाई शादाब (30) भी है।

सभी पेराड़ी गांव में रहने वाली बहन साहेबा के बेटे के नामकरण संस्कार में गए थे। बुधवार शाम करीब 7.15 बजे बच्ची अलकाफिया बच्चों के साथ खेल रही थी। इसी दौरान उसने कमरे में रखा कोडेक्स कफ सिरप पी लिया।

वह सिरप का ढक्कन बंद करने लगी तो बंद नहीं हुआ। फिर वह सिरप लेकर दादी के पास गई। उन्होंने ध्यान नहीं दिया और ढक्कन बंद करके बोतल वापस कर दी। इसके बाद अलकाफिया सोने चले गई।

गुरुवार सुबह 10 बजे तक जब बच्ची नहीं जागी, तो घरवाले उसे गांव के डॉक्टर के पास ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज ले जाने को कहा। वहां सुबह 11.45 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीओ सिटी अजीत सिंह ने बताया- परिजन आपसी सहमति से बिना पोस्टमार्टम कराए शव मेडिकल कॉलेज घर ले गए। अगर परिजनों की ओर से शिकायती पत्र दिया जाएगा तो मामले की जांच कराई जाएगी।

उन्नाव में डीसीएम की टक्कर से ड्राइवर की मौत

बोलेरो के पास दोस्त से बात कर रहा था, दो बहनों का इकलौता भाई था

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। लालऊखेड़ा के पास गुरुवार भोर में तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के समय सुजीत सड़क किनारे खड़ी बोलेरो के पास अपने दोस्त से बात कर रहा था।

इसी दौरान पीछे से आए डीसीएम ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल सुजीत को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शिवसिंह खेड़ा निवासी सुजीत पुत्र रामस्वरूप के रूप में हुई है। वह पेशे से ड्राइवर था।

परिजनों के मुताबिक, हादसे के बाद डीसीएम चालक को पकड़ लिया गया। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। सुजीत के चाचा आलोक कुमार ने बताया कि वे सिकंदरपुर की ओर जा रहे थे। गदनखेड़ा बाईपास के पास सड़क किनारे रुके हुए थे।

इसी दौरान सुजीत बोलेरो के पास खड़े होकर अपने दोस्त से बात करने लगा।

तभी पीछे से आए डीसीएम ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद सुजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि सुजीत की अभी शादी नहीं हुई थी। परिवार में उसकी मां और दो छोटी बहनें हैं। वह दोनों बहनों का इकलौता भाई था और घर की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर बताई गई है।

सुजीत की कमाई से ही घर का खर्च चलता था।

युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का कहना है कि अब मां और दोनों बहनों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

फास्ट न्यूज

अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

उन्नाव। उन्नाव शहर से करीब 30 किमी दूर बीघापुर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल जा रहे मजदूर आशु बाजपेई (44) की मौत हो गई। हादसा रघुराज डिग्री कॉलेज के पास सूर्या ईंट भट्ठे के सामने हुआ। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने उनकी पहचान की। आशु, स्वर्गीय लल्ली बाजपेई के बेटे और सिकंदरपुर करन, थाना बीघापुर के निवासी थे।

40 परिवारों को मकान खाली करने का नोटिस

उन्नाव। उन्नाव की हसनगंज तहसील के मरहा गांव में करीब 40 परिवारों को मकान खाली करने का नोटिस मिला है। अतिक्रमण हटाने के लिए जारी नोटिस के बाद ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाए। ग्रामीणों का कहना है कि वे और उनके पूर्वज करीब 100 साल से गांव में रह रहे हैं। उनके मकान पूर्वजों के समय से बने हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के एक ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने निजी स्वार्थ के चलते करीब 40 परिवारों को कार्रवाई की जद में लाने की कोशिश की।

विधायक ने सपा के पोस्टर पर साधा निशाना

बाराबंकी। बाराबंकी में भी लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर लगे '27 में कृष्ण आएंगे' पोस्टर को लेकर सियासत तेज हो गई है। गुरुवार दोपहर दो बजे हैदरगढ़ से BJP विधायक दिनेश रावत ने पोस्टर पर सपा को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा की राजनीति उपद्रव, दंगा-फसाद और सनातन धर्म के अपमान से जुड़ी रही है।

हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने गोली मारकर सुसाइड किया

बाराबंकी में गोली चलते ही बाहर आए परिजन, पास पड़ी थी बंदूक

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने गुरुवार सुबह अपने सीने में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। रात 3 बजे गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन घर के बाहर बरामदे में आए तो वह खून से लथपथ मिले। पास में ही लाइसेंसी रायफल पड़ी थी। परिजनों का कहना है कि प्रदेश उपाध्यक्ष एक महीने से किसी बात को लेकर तनाव में थे। कहीं जाते-आते भी नहीं थे। पुलिस ने रायफल कब्जे में ली है। मामला जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के अलादासपुर का है अलादासपुर के रहने वाले अनुपम कुमार सिंह उर्फ राजन (38) पांच साल से अखिल भारतीय हिंदू महासभा में थे। परिवार में उनकी पत्नी आरती (35) और दो जुड़वां बेटे विश्व (15) और वृषभ (15) हैं। घटना के बाद पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी आरती के मुताबिक, अनुपम ने बुधवार रात परिवार के साथ खाना खाया। इसके बाद अपने कमरे में सोने चले गए। रात में वह कमरे से निकलकर बरामदे में आ गए। इसी दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी। लोग मौके पर पहुंचे तो अनुपम की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस, फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। रायफल को जब्त कर लिया गया है।

अर्धनग्न हालत में डीएम कार्यालय पहुंचा व्यक्ति

बोला- 3 साल से परिवार को परेशान किया जा रहा, यौन उत्पीड़न-धर्मांतरण की कोशिश का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे एक व्यक्ति अर्धनग्न हालत में शिकायत लेकर DM कार्यालय पहुंच गया। उसने पुलिस और प्रशासन पर 3 साल से न्याय नहीं देने का आरोप लगाया। मौके पर SDM ने उसकी शिकायत सुनी। व्यक्ति ने बेटे के यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण की कोशिश समेत कई मामलों में पुलिस की जांच पर सवाल उठाए। शुक्लागंज के रहने वाले अखिलेश शुक्ला ने मीडिया को बताया कि उनका नाबालिग बेटा कानपुर के सेंट्रल एंड सी स्कूल में पढ़ता था। आरोप है कि वहां बेटे का यौन उत्पीड़न किया गया और धर्मांतरण कराने की कोशिश हुई। अखिलेश के मुताबिक, 3 साल तक परेशान होने के बाद इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ। उन्होंने बताया कि SP को शपथपत्र और प्रार्थनापत्र दिए थे, लेकिन गंगाघाट थाने में हुई जांच के दौरान इन दस्तावेजों को शामिल नहीं किया गया। अखिलेश ने कानपुर और उन्नाव पुलिस पर कथित धर्मांतरण गिरोह को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि उनका परिवार तीन साल से परेशान है और अब तक केवल आश्वासन मिले हैं। वह संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। DM कार्यालय में SDM से बातचीत के बाद भी अखिलेश ने कहा कि जब तक आरोपों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक आश्वासन का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

अखिलेश ने पत्नी से जुड़े एक अन्य मामले का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, पत्नी को धक्का दिए जाने के मामले में NCR दर्ज हुई थी, लेकिन पुलिस ने उसमें भी फाइनल रिपोर्ट लगा दी। उनका आरोप है कि शिकायत में दर्ज लिखावट और हस्ताक्षर उनकी पत्नी के नहीं हैं।

उन्होंने इसकी FSL से जांच कराने की मांग की थी, लेकिन जांच नहीं कराई गई।

हरदोई के मुकदमे की जांच पर भी उठाए सवाल

अखिलेश ने हरदोई के संडीला कोतवाली में प्रभारी इंस्पेक्टर अनुराग सिंह नाम के व्यक्ति के खिलाफ दर्ज एक अन्य मुकदमे की जांच पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, जनवरी में दर्ज इस मुकदमे की जांच के दौरान उन्होंने दो शपथपत्र, मोबाइल नंबर, बैंक खाते से जुड़ी जानकारी और अन्य दस्तावेज पुलिस को दिए थे। उनका आरोप है कि जांच में इनका जिक्र नहीं किया गया और मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई। उन्होंने थाने में जमा पेन ड्राइव गायब किए जाने का भी आरोप लगाया। अखिलेश का दावा है कि इस संबंध में उनके पास वीडियो रिकॉर्डिंग है।

पत्नी से जुड़े मामले में भी जांच न होने का आरोप

अखिलेश ने पत्नी से जुड़े एक अन्य मामले का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, पत्नी को धक्का दिए जाने के मामले में NCR दर्ज हुई थी, लेकिन पुलिस ने उसमें भी फाइनल रिपोर्ट लगा दी। उनका आरोप है कि शिकायत में दर्ज लिखावट और हस्ताक्षर उनकी पत्नी के नहीं हैं। उन्होंने इसकी FSL से जांच कराने की मांग की थी, लेकिन जांच नहीं कराई गई।

बीएसए कार्यालय में सौंपा गया ₹50 लाख का बीमा चेक

शिक्षक वेतन पैकेज के तहत शिक्षक के परिवार को मिली राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शिक्षक वेतन पैकेज के अंतर्गत अवधेश कुमार वर्मा की पत्नी सुमन राजपूत को 50 लाख रुपए की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। हरदोई स्थित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) कार्यालय में बृहस्पतिवार की दोपहर 1:45 बजे आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह महत्वपूर्ण आर्थिक सहायता सौंपी गई, जिससे दिवंगत शिक्षक के परिवार को इस कठिन समय में बड़ी राहत और संबल मिला है। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रभात मिश्रा, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल सिद्धार्थ, सीएम देवास शीतल प्रभाकर, मुख्य प्रबंधक हरदोई मुख्य शाखा शैलेन्द्र प्रताप सिंह तथा शाखा प्रबंधक हरपालपुर प्रवीण कुमार यादव सहित कई अधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत शिक्षक के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उल्लेखनीय है कि अवधेश कुमार वर्मा की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के समय टीचर्स सैलरी पैकेज के अंतर्गत ₹50 लाख का बीमा कवर सक्रिय था, जिसके परिणामस्वरूप उनकी पत्नी को यह सहायता राशि सफलतापूर्वक प्राप्त हुई। बैंक और बेसिक शिक्षा विभाग के मध्य हुए समझौता ज्ञापन के तहत शिक्षकों को उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ यह व्यापक बीमा सुरक्षा भी मिलती है। यह भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि भारतीय स्टेट बैंक एवं बेसिक शिक्षा विभाग के मध्य गत 07 जुलाई 2026 को हुए नए समझौते के पश्चात, इस शिक्षक वेतन पैकेज के अंतर्गत मिलने वाले बीमा कवर को बढ़ाकर अब ₹1 करोड़ कर दिया गया है। बैंक के इस कदम से भविष्य में बेसिक शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों एवं उनके परिवारों को और अधिक मजबूत और सुरक्षित वित्तीय भविष्य प्राप्त होगा। एसबीआई सदैव अपने ग्राहकों और वेतन पैकेज धारकों को बेहतर सेवाओं के साथ सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहा है।

भितरघातियों को बेनकाब करूंगा : अनिल सिंह

उन्नाव में बोले- मुझे 3 महीने में हटाकर दिखाओ, मुझे अपने ही हराएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के पुरवा से भाजपा विधायक अनिल सिंह ने पार्टी के भीतर भितरघात करने वालों को तीन महीने में बेनकाब करने को कहा। गुरुवार को कंचनपुर स्थित अपने कार्यालय में कार्यकर्ता सम्मान समारोह के दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं कर सके तो पुरवा छोड़कर चले जाएं। सुबह करीब 11 बजे हुए कार्यक्रम में सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा के कुछ पुराने नेता पुरवा में कमल का फूल खिलने से रोकने के लिए साजिश कर रहे हैं। उन्होंने नए बूथ अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों से ऐसे लोगों की पहचान कर उनकी असलियत सामने लाने को कहा। सिंह ने कहा कि कुछ लोग खुद को 30 साल से भाजपा में बता रहे हैं, लेकिन पार्टी को जिताने के बजाय हराने का काम करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को ऐसे लोगों की मंशा सामने लानी होगी। विधायक ने आरोप लगाया कि कुछ लोग कहते हैं, 'दुकान बंद हो गई है, अनिल सिंह को निपटाओ।' उन्होंने नए बूथ अध्यक्षों और पदाधिकारियों से ऐसे लोगों को पहचानकर बेनकाब करने को कहा। साथ ही, विरोधियों को राजनीतिक रूप से जवाब देने की बात कही।

सिंह ने कहा कि जब तक वह भाजपा में हैं, कमल के फूल को मुरझाने नहीं देंगे। उन्होंने कहा, 'पुरवा में अनिल सिंह का दबदबा था और रहेगा। यहां गरीब और कमजोर लोगों का दबदबा चलता है। इज्जतदार लोगों का सम्मान चलता है।' उन्होंने कहा कि पुरवा के स्थानीय लोग ही उन्हें चुनाव में हरा सकते हैं, बाहरी लोग नहीं। सिंह ने यह भी कहा कि राजनीतिक विरोध करना गलत नहीं है, लेकिन बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भाषण के दौरान उन्होंने अपने विरोधियों को चुनाव के बाद कानूनी कार्रवाई और जेल जाने की चेतावनी देते हुए भी निशाना साधा। इसके अलावा असोहा और बिछिया ब्लॉक के भाजपा एवं माही संस्था से जुड़े बूथ अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

पत्नी कल्पना सिंह ने तीसरी बार जिताने की अपील की

कार्यक्रम में विधायक की पत्नी कल्पना सिंह ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अनिल सिंह को लगातार तीसरी बार विधायक चुनने की अपील की। समारोह में भाजपा संगठन से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। इस दौरान अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री महेंद्र लोधी, प्रधान संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि पुरवा अमित त्रिवेदी, ब्लॉक प्रमुख असोहा आनंद गुप्ता, जिला महामंत्री डॉ. रजनीश वर्मा और पूर्व मंडल अध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव मौजूद रहे।

इसके अलावा असोहा और बिछिया ब्लॉक के भाजपा एवं माही संस्था से जुड़े बूथ अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

वारदात : 95% झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत, पत्नी, ससुर और साले पर केस दर्ज

ससुराल में दामाद को पेट्रोल डालकर जलाया

- करन के परिजनों ने ससुराल वालों पर जलाकर मारने का आरोप लगाया है।
- युवक 95 प्रतिशत झुलस चुका था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मरने से पहले पुलिस को बयान में आरोपियों के नाम बताए थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में दामाद को जलाकर मारने का ससुराल वालों पर आरोप है। युवक मंगलवार को पत्नी के बुलाने पर ससुराल गया था। जहां पत्नि उसपर मायके में रहने का दबाव बना रही थी। इस बीच विवाद बढ़ने पर ससुर ने घर में रखा पेट्रोल छिड़ककर आग लगा। 95 प्रतिशत झुलसे युवक ने इलाज के दौरान बुधवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया। युवक के परिजनों ने पत्नी और ससुराल वालों पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पत्नी, ससुर और साले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तीनों पर हत्या का केस लिखा गया है। घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर पुरवा थाना क्षेत्र की है मृतक की पहचान बांगरमऊ थाना क्षेत्र के अंबेडकर नगर निवासी करन (22) के रूप में हुई है।

आरोपियों की गिरफ्तारी और बुलडोजर चलाने की मांग

मृतक के भाई संजय कुमार ने बताया कि उनका भाई करन 2 नवंबर को बेटी की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर ससुराल गया था। आरोप है कि रात करीब 1:30 बजे जब वह सो रहा था, तभी ससुराल पक्ष के लोगों ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस घटना में वह करीब 95 प्रतिशत झुलस गया था। संजय के मुताबिक, भाई को पहले उन्नाव से कानपुर और फिर लखनऊ ले जाया गया। वहां समुचित इलाज नहीं मिलने पर उसे निजी यूनाइटेड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज में कुछ ही घंटों के भीतर एक लाख रुपये से अधिक खर्च हो गए। इसके बाद दूसरे अस्पताल में भी करीब 80 से 90 हजार रुपये खर्च हुए। परिवार मजदूरी करके गुजर-बसर करता है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उन्होंने भाई को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

संजय ने आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि 24 घंटे में गिरफ्तारी नहीं हुई तो परिवार बांगरमऊ से लखनऊ तक पैदल मार्च कर धरना-प्रदर्शन करेगा। उनका कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक भाई का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाई है।

डंपर की टक्कर से युवक की मौत, बहनोई-घायल

बर्थ-डे पार्टी से लौट रहे थे दोनों, पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के सुरसा थाना क्षेत्र में बुधवार रात दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका बहनोई घायल हो गया। दोनों एक जन्मदिन की दावत में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान शारदा नहर पटरी पर एक अनियंत्रित डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के भगैतापुर निवासी अभिषेक उर्फ नीरज (35) खेती करते थे। परिवार में पत्नी कीर्ति के अलावा एक बेटा और दो बेटियां हैं। बुधवार को अभिषेक के चचेरे भाई रामचेला की ससुराल जरौआ अंटवा (थाना सुरसा) में एक बच्चे की बर्थडे पार्टी थी। दावत में शामिल होने के लिए अभिषेक के साथ कन्नौज जिले के भदूपुरवा निवासी उनके बहनोई राजीव पुत्र रामऔतार भी आए थे। पार्टी खत्म होने के बाद रात में दोनों साले-बहनोई एक ही बाइक से घर लौटने के लिए रवाना हुए। सुरसा थानाध्यक्ष विश्वास शर्मा ने बताया कि हादसा बुधवार रात करीब 10:30 बजे हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। दुर्घटना में शामिल डंपर को कब्जे में ले लिया गया है।

शारदा नहर पटरी पर डंपर ने मारी टक्कर

जैसे ही उनकी बाइक गांव से निकलकर शारदा नहर पटरी पर पहुंची, तभी एक अनियंत्रित डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजीव घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने घायल राजीव को आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उनका इलाज कराया गया।

सम्पादकीय

क्या अब सुधरेंगे ट्रंप

जैसे आसार थे, अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को करारा आघात लगा। विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी का अमेरिकी संसद के दोनों सदनों यानी प्रतिनिधि सभा और सीनेट में बहुमत में आना तय हो गया। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि अमेरिकी जनता और यहां तक कि ट्रंप समर्थकों को भी उनके तौर-तरीके पसंद नहीं आए। मध्यावधि चुनाव परिणाम यही बता रहे हैं कि ट्रंप अपनी जिन नीतियों के सहारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा लगाते हुए अपने समर्थकों को देश को फिर से महान बनाने का सपना दिखा रहे थे, उन्होंने ही उनकी लुटिया डुबो दी। जहां ईरान के साथ टकराव पेट्रोल, डीजल के मूल्य बढ़ने का कारण बना, वहीं मनमानी टैरिफ नीतियों ने जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ाने का काम किया। इसके चलते उनके 'मागा' समर्थक भी उनसे रुष्ट हो गए। इन समर्थकों के एक वर्ग को तो ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने का फैसला भी रास नहीं आया। अनेक अमेरिकी इससे भी खफा थे कि ट्रंप ने मित्र देशों से भी संबंध बिगाड़ लिए। वास्तव में वे ऐसे व्यवहार कर रहे थे, जैसे विश्व के शासनाध्यक्ष हों और अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून और समझौते उनके लिए बने ही नहीं। यह स्वाभाविक है कि अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट के हावी होने से ट्रंप को कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा और उन्हें अपने फैसलों को लागू करने में कठिनाई होगी, लेकिन सच यह भी है कि वे पूरी तौर पर शक्तिहीन होने वाले नहीं हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास संविधान प्रदत्त असीमित अधिकार होते हैं। वे संसद की ओर से रोके गए किसी फैसले को भी अपने वीटो अधिकार से लागू करा सकते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी को इतना बहुमत नहीं मिला कि वह उनके वीटो अधिकार पर अंकुश लगा सके। ऐसा तब हो सकता था, जब उसके पास दो तिहाई बहुमत होता। साफ है कि अपनी हार से चिढ़े ट्रंप तमाम विधायी अड़चनों और विपक्ष की सख्ती-निगरानी के बाद भी मनमानी करते रह सकते हैं। वैसे भी अब उन्हें फिर से राष्ट्रपति बनने का मौका नहीं मिलना और इसमें संदेह है कि उन्हें रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य की चिंता होगी। वे मूलतः एक व्यवसायी हैं और राष्ट्रपति के रूप में भी उन्होंने अपने निजी वित्तीय हितों को ही अधिक प्राथमिकता दी है। यदि अपनी हार से चिढ़े ट्रंप मनमानी करने पर आमादा हो जाते हैं तो वे अमेरिका के साथ-साथ विश्व के समक्ष भी और मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। भारत समेत विश्व के और देश इसकी अपेक्षा तो कर सकते हैं कि शायद अब ट्रंप का रवैया सुधरे, लेकिन ऐसा नहीं भी हो सकता। भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि रूस से तेल आयात रोकने जैसे कुछ मुद्दों पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट एकमत हैं।

जीवन का असली बोध अनशन हैं

जीवन-मृत्यु का रहस्य जानने वाले, मुश्किलों से डरते नहीं है। निराशा के बादल उनके मन आंगन मे उमड़ते- घुमड़ते नहीं है। वहीं जिन्दगी के हर पल को जिन्दादिली के साथ जी लेते हैं क्योंकि वे वर्तमान को आने वाले कल के हवाले नहीं करते हैं । जीवन जीना एक कला हैं और मृत्यु को महोत्सव का रूप देना महान कला हैं । मरण को महोत्सव वही व्यक्ति बना सकता हैं जिसका मनोबल, संकल्पबल एवं आत्मबल मजबूत हों। भारतीय संस्कृति एक बात जियो वर्तमान में जरूर सिखाती है क्योंकि भविष्य है कि नहीं, है तो कितना है, यह निश्चय में किसी के सामने नहीं है। इसलिए जैन या बौद्ध आदि धर्म विशेषकर कहते हैं कि हे मानव ! कल के लिए परिग्रह मत कर। क्योंकि भविष्य एकदम अनिश्चित है । हां,भविष्य की एक ही बात है जो विवेचित है , वो मृत्यु है । इसकी भी कोई तिथि अनुबंधित नहीं है । हम अगर एकदम अपरिग्रही हैं तो मृत्यु भी हमारा क्या छीन पाएगी। क्योंकि अपरिग्रही को कोई चिन्ता नहीं है , क्योंकि उसके लिए ,धन-वैभव-परिवार आदि सब वृथा है । वह जो अपरिग्रही होगा वह एकदम निर्मोही होगा। यहां तक कि उसका परिवार के प्रति लगाव होते हुए भी मोह कभी नहीं होगा । वह तब मृत्यु सब कुछ छीन कर भी उसका कुछ नहीं छीन पाएगी। हम सब खाली हाथ ही आए हैं , खाली हाथ ही जाएंगे। यदि यही हमारी भावना रहेगी तो मृत्यु के समय मौत हमें निर्मोही ही पाएगी। मृत्यु जो हमारा है ही नहीं उस शरीर को तो मिट्टी कर देगी, और कुछ नहीं ले पाएगी। आत्मा को भी मृत्यु नहीं ले जा पाएगी । वह तो कर्मानुसार जहां जाना है वहां चली जाएगी। हर कोई ऐसा नहीं सोच सकता। क्योंकि प्रायः हरेक को अंत समय में भी इसका-उसका मोह भाव दबोचता रहता है। इस दुर्भाव से अगर बचना है,तो दो बातें हमको करनी होगी, स्वयं को निर्भयी और निर्मोही बनना होगा । मृत्यु दर्शन, जीवन का दर्शन है। वह जिसने मरने की कला सीख ली, उसे जीने की कला भी आ गयी।भगवान् महावीर स्वामी ने जीने की कला के साथ मृत्यु की कला भी बतायी। मृत्यु की कला जीवन को निर्भय और निश्चिंत बनाती है। मनुष्य ही क्यों ब्रह्मांड के हर प्राणी के जीवन का अटल और अंतिम सत्य मृत्यु है। कोई विरला ही जीवन के अंतिम समय में आजीवन अनशन करके तीसरे मनोरथ को सफल कर सकता हैं । यह प्रबल साहस और शूरवीरता का परिचायक हैं । हम अनशन करके आत्मा की सुषमा को बढ़ा सकतें हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

धनतेरसः धन की पूजा नहीं धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व

> धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है।

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है। धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं। लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है।

– ललित गर्ग

सहस्रबाहु अर्जुन को ...

कुमार कृष्णन

राम-कृष्ण के नाम पर घमासान और धीरेन्द्र शास्त्री

धर्म और आस्था के क्षेत्र में शब्दों की अपनी मर्यादा होती है। खासकर तब, जब बात उन आराध्य चरित्रों की हो जिनसे करोड़ों लोगों की धार्मिक चेतना, सांस्कृतिक स्मृति और सामाजिक पहचान जुड़ी हुई है। लेकिन क्या किसी धार्मिक कथा की व्याख्या में प्रयुक्त उपमा या टिप्पणी को सीधे अपमान मान लिया जाना चाहिए? और क्या किसी टिप्पणी से आहत होने का दावा करते ही आपराधिक मुकदमे की मांग लोकतांत्रिक संवाद का स्वाभाविक रास्ता बन जाती है? बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भगवान राम और भगवान कृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी के बाद उठा विवाद इन सवालों को सामने रखता है। इस विवाद को समझने के लिए उनके पहले के विवादित बयानों को भी देखना होगा। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करेरा में रामकथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने राम और कृष्ण के स्वरूप तथा उनकी मुद्राओं की तुलना करते हुए कुछ टिप्पणियां कीं। उन्होंने भगवान कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा का उल्लेख किया जिसमें शरीर तीन स्थानों से मुड़ा हुआ दिखाई देता है जबकि भगवान राम के सीधे और मर्यादित स्वरूप की चर्चा की। अयोध्या और वृंदावन, धनुष और बांसुरी के प्रतीकों के माध्यम से भी दोनों के स्वरूपों का अंतर समझाने की कोशिश की गई। इस कथन के कुछ अंश सामने आने के बाद ब्रज क्षेत्र के कुछ संतों और धार्मिक लोगों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि भगवान कृष्ण के स्वरूप को लेकर इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है और इससे भक्तों की भावना आहत हो सकती है। विवाद बढ़ने पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सफाई दी कि उनका उद्देश्य भगवान राम और कृष्ण में किसी प्रकार का भेद करना या किसी का अपमान करना नहीं था। उन्होंने अपनी बात को भावपूर्ण अभिव्यक्ति और व्यंग्य स्तुति के संदर्भ में रखा तथा कहा कि यदि किसी की भावना आहत हुई है तो उन्हें खेद है। उनकी सफाई को भी पूरे संदर्भ में देखना चाहिए। किसी वक्ता की मंशा और उसके शब्दों का सामाजिक प्रभाव हमेशा एक जैसा नहीं होता। वक्ता यह कह सकता है कि उसका आशय अपमान का नहीं था, लेकिन श्रोता उन शब्दों को किस रूप में ग्रहण करते हैं, यह भी विचारणीय है। यह पहला अवसर नहीं है जब धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के किसी बयान पर विवाद हुआ हो। फरवरी 2023 में संत तुकाराम की पत्नी को लेकर उनकी टिप्पणी पर आपत्ति उठी थी। उन्होंने कहा था कि संत तुकाराम की पत्नी उन्हें रोज डंडे से मारती थीं। विवाद बढ़ने पर उन्होंने सफाई दी कि यह प्रसंग उन्होंने एक पुस्तक में पढ़ा था और किसी की भावना आहत हुई हो तो वे अपने शब्द वापस लेते हैं। अप्रैल 2023 में साईं बाबा को लेकर उनकी टिप्पणी पर भी विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि साईं बाबा संत हो सकते हैं, भगवान नहीं। साईं भक्तों की ओर से आपत्ति और शिकायतें सामने आईं। बाद में उन्होंने कहा कि किसी संत को भगवान मानना लोगों की निजी आस्था है और उनके शब्दों से किसी को ठेस पहुंची हो तो उन्हें खेद है।

सहस्रबाहु अर्जुन को लेकर की गई टिप्पणी पर भी विवाद हुआ। शास्त्री ने हैहय वंश के राजा को कुकर्मी बताते हुए साधुओं पर अत्याचार का उल्लेख किया था। इस पर संबंधित समुदाय के लोगों ने आपत्ति जताई। मार्च 2023 में उदयपुर की एक धर्मसभा में कुंभलगढ़ दुर्ग पर लगे हरे झंडों को हटाकर भगवा झंडा लगाने की बात कहने के मामले में पुलिस ने उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की थी। जुलाई 2023 में महिलाओं को लेकर उनकी एक टिप्पणी पर भी विवाद हुआ। ग्रेटर नोएडा की भागवत कथा में उन्होंने कथित तौर पर उन महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक उपमा दी थी जिनकी मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र नहीं है। इस टिप्पणी के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत की गई। अप्रैल 2024 में अली और बजरंगबली को लेकर कही गई बात पर भी आपत्ति हुई और शिकायतें सामने आईं। इन घटनाओं का उल्लेख किसी व्यक्ति को पहले से दोषी ठहराने के लिए नहीं, बल्कि सार्वजनिक वक्तृत्व की जिम्मेदारी पर विचार करने के लिए जरूरी है। हर मामले की अपनी परिस्थितियां और कानूनी स्थिति है। शिकायत या प्राथमिकी दर्ज होना किसी आरोप के सिद्ध हो जाने का प्रमाण नहीं है। फिर भी लगातार विवादों में घिरने वाले लोकप्रिय वक्ता के लिए यह आत्ममंथन का विषय जरूर है कि क्या उनकी भाषा अनावश्यक टकराव पैदा कर रही है।

देव दीपावली...

–केवल, से0नि0 सूचना अधिकारी

देव दीपावली में आगंतुकों को मिलेगा दिव्य काशी का अनुभव, योगी सरकार ने आयोजन को दिया वैश्विक स्वरूप

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने देव दीपावली के आयोजन को नई पहचान दी है। वाराणसी के गंगा घाटों पर देव दीपावली-2026 की अलौकिक आभा को करीब से अनुभव करने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन विभाग ने खास टूर पैकेज तैयार किया है। देव दीपावली पर काशी की आध्यात्मिक आभा, दीपों से सजे गंगा घाटों और समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत का अविस्मरणीय अनुभव कराने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने चार दिन-तीन रात का विशेष देव दीपावली-दिव्य काशी अनुभव टूर पैकेज तैयार किया है। इस अनूठी पहल के माध्यम से देश-दुनिया से आने वाले पर्यटक काशी की प्राचीन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और देव दीपावली की भव्यता को एक ही यात्रा में अनुभव कर सकेंगे।

देव दीपावली के दौरान काशी के घाटों पर होने वाला दीपोत्सव अद्वितीय आकर्षण होता है। गंगा तट पर असंख्य दीपों की आभा, गंगा आरती, मंदिरों की भव्य सजावट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती हैं। इस दिव्य अनुभव को पर्यटन पैकेज के रूप में पर्यटकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यूपीएसटीडीसी ने बजट, डीलक्स और प्रीमियम, तीन श्रेणियों में विशेष टूर पैकेज तैयार किए हैं। पैकेज के तहत पर्यटकों को देव दीपावली गंगा बोट राइड, काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन, गंगा आरती, सारनाथ भ्रमण, हेरिटेज वॉक तथा सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अनुभव का अवसर मिलेगा। यात्रा के पहले दिन पर्यटकों के वाराणसी आगमन पर एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन पर उनके स्वागत से शुरुआत होगी। तत्पश्चात, होटल चेक-इन और काशी विश्वनाथ धाम में संध्या दर्शन के साथ गंगा आरती का अनुभव पर्यटकों को मिलेगा। यात्रा के दूसरे दिन सुबह गंगा बोट राइड के साथ काशी के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। इनमें काशी विश्वनाथ मंदिर, विशालाक्षी मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, काल भैरव मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल शामिल हैं। इसके बाद सारनाथ का भ्रमण और शाम को काशी की आध्यात्मिक आभा का अनुभव कराया जाएगा। तीसरे दिन पर्यटकों के लिए यात्रा का सबसे खास पड़ाव देव दीपावली उत्सव होगा। काशी के जगमगाते घाटों पर दीपों की अनुपम छटा, भव्य सजावट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच पर्यटकों को देव दीपावली की दिव्यता का साक्षी बनने का अवसर मिलेगा। इस दौरान विशेष देव दीपावली गंगा बोट एक्सपीरियंस पर्यटकों के अनुभव को और यादगार बनाएगा। गंगा की लहरों के बीच नौका विहार करते हुए दीपों की आभा से जगमगाते घाटों का मनोहारी दृश्य काशी की आध्यात्मिकता को अविस्मरणीय बनाएगा। यूपीएसटीडीसी ने पर्यटकों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए पैकेज को बजट (स्टैंडर्ड होटल), डीलक्स (3 स्टार होटल) और प्रीमियम (4/5 स्टार होटल) तीन श्रेणियों में रखा है। बजट पैकेज का शुल्क 15,999 रुपये प्रति व्यक्ति, डीलक्स पैकेज 21,999 रुपये प्रति व्यक्ति और प्रीमियम पैकेज 31,999 रुपये प्रति व्यक्ति होगा। ये दरें ट्विन शेयरिंग के आधार पर हैं और जीएसटी अतिरिक्त होगा।

जरा हटके

प्रदेश सरकार द्वारा...

डॉ0 सीमा गुप्ता

ग्रामीण आजीविका मिशन से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहीं महिलाएं

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचल में महिलाएं आर्थिक स्वावलम्बन और सामाजिक बदलाव की नई ध्वजवाहक बनकर उभर रही हैं। कभी घर की चारदीवारी और खेती-किसानी तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब बचतकर्ता से उद्यमी और परिवार की मुख्य आर्थिक ताकत बन चुकी हैं। प्रदेश सरकार के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने इस परिवर्तन को ठोस संस्थागत आधार दिया है। इस व्यापक अभियान का अत्यंत प्रभावी असर जनपद अमेठी के गांवों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। प्रदेश भर में साढ़े दस लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से सवा करोड़ ग्रामीण परिवारों को जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा चुका है। इनमें से 28 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर ग्रामीण समृद्धि का नया चेहरा बनी हैं। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत आय वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में स्थानीय पूंजी निर्माण, उत्पादन, मूल्य सम्वर्द्धन, विपणन और रोजगार का एक सतत गतिशील आर्थिक चक्र भी स्थापित कर रहा है।

जनपद अमेठी में यह मिशन ग्रामीण निर्धनता निवारण और महिला सशक्तीकरण के एक सशक्त मॉडल के रूप में उभरा है। जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन में जनपद के विभिन्न विकासखंडों में महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। छोटी-छोटी नियमित बचतों से शुरू हुआ यह सफर आज बैंक लिंकेज, सूक्ष्म उद्यम, कृषि आधारित गतिविधियों, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय कुटीर उद्योगों तक पहुंच चुका है।

मिशन की दीर्घकालिक सफलता की रीढ़ इसका सुव्यवस्थित त्रिस्तरीय सामुदायिक ढांचा है। प्रदेश में समूहों को संस्थागत मजबूती देने के लिए 65,544 ग्राम संगठन तथा 3,298 संकुल स्तरीय संघों का नेटवर्क कार्य कर रहा है। जनपद अमेठी में भी यह संरचना ग्रामीण महिलाओं को सामुदायिक निर्णय क्षमता, वित्तीय अनुशासन और सामूहिक व्यापारिक निर्णय की ताकत प्रदान कर रही है, जिससे उनके उद्यमों को स्थायित्व और विस्तार मिल रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड तथा सामुदायिक निवेश कोष के जरिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस व्यवस्था ने महिलाओं को निजी साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराया है। रियायती दरों पर संस्थागत वित्त की सुलभता ने उस निर्धन महिला के लिए भी स्वरोजगार के द्वार खोल दिए हैं, जिसके पास न कभी बड़ी पूंजी थी और न ही बाजार तक सीधी पहुंच थी।

जनपद अमेठी में 'लखपति दीदी' अभियान ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में गुणात्मक बदलाव का प्रमुख कारक बना है। प्रतिवर्ष एक लाख रुपये से अधिक की सतत और नियमित आमदनी अर्जित करने वाली ये दीदियां अब परिवार के आर्थिक फैसलों में बराबर की हिस्सेदार बन रही हैं। महिलाओं के हाथों में क्रय शक्ति आने से बच्चों की बेहतर शिक्षा, पोषण और प्राथमिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नीचे से ऊपर की ओर संबल मिल रहा है।

इस बदलाव की सबसे प्रेरणादायी मिसाल जनपद अमेठी के विकासखंड अमेठी स्थित ग्राम नरैनी की निवासी नीतू हैं। कुछ समय पूर्व तक नीतू का जीवन घरेलू जिम्मेदारियों, बच्चों की देखभाल और सीमित संसाधनों के बीच बंधा था। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते वे निरंतर कठिनाइयों से जूझ रही थीं। सरकारी योजनाओं और आजीविका के अवसरों की जानकारी न होने से वे परिवार की आय बढ़ाने में असमर्थ थीं। इसी दौरान नीतू ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह की साप्ताहिक बैठकों, बचत की कार्यप्रणाली और विभिन्न आजीविका प्रशिक्षणों में प्रतिभाग कर उनमें अभूतपूर्व आत्मविश्वास जागृत हुआ। मिशन के मार्गदर्शन से उन्होंने समझा कि संगठित होकर और सही कौशल अपनाकर ग्रामीण महिलाएं भी अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

समूह से मिले प्रशिक्षण और वित्तीय सहयोग के बल पर नीतू ने आजीविका के लिए अपनी गतिविधियों को नई दिशा दी। उनकी अनवरत लगन और परिश्रम का ही प्रतिफल है कि आज वे प्रतिमाह 30 से 40 हजार रुपये तक की सम्मानजनक आमदनी अर्जित कर रही हैं। स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम होने के बाद उन्होंने अपने पति को भी आर्थिक सहयोग देकर दुकान खुलवाई। इससे परिवार के लिए अतिरिक्त आय का साधन तैयार हुआ और उनके घर की माली हालत सुदृढ़ हो गई।

आर्थिक आत्मनिर्भरता ने नीतू के जीवन में केवल आमदनी ही नहीं बढ़ाई, बल्कि उनके सामाजिक सम्मान और प्रभाव में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। वे अब नरैनी गांव तक सीमित न रहकर आसपास के क्षेत्रों में घर-घर जाकर महिलाओं को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रही हैं। वे महिलाओं को समूह से जुड़ने, बचत करने और स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं, जिससे क्षेत्र में महिला जागरूकता को नया संबल मिला है।

वास्तव में ग्रामीण महिलाओं को जब संस्थागत मंच, संसाधन और प्रोत्साहन मिलता है, तो वे पूरे समाज के विकास की वाहक बन जाती हैं। आज पूरे क्षेत्र में नीतू को एक प्रेरक नेतृत्वकर्ता के रूप में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। वे अपनी इस उपलब्धि के लिए प्रदेश सरकार की नीतियों, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और मिशन की समर्पित टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हैं।

जनपद अमेठी में जिला प्रशासन द्वारा स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बड़े बाजारों से जोड़ने, उन्हें कौशल सम्वर्द्धन प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और बैंकों से समयबद्ध ऋण वितरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर निरंतर निगरानी और सहयोग से महिलाओं को न केवल आजीविका के नए साधन मिल रहे हैं, बल्कि वे विभिन्न सरकारी सेवाओं के संचालन में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

ऐसे तो मैं जेल में ही मर जाऊंगा, एससी ने हाईकोर्ट को जमानत पर फैसला लेने को कहा

वो चुनाव में मुझे अंदर रखना चाहते हैं : आजम

इनकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सपा नेता आजम खान की जमानत याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। कोर्ट ने गुरुवार को उनकी याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दी। आजम ने कहा- मैं हर मामले का सामना करूंगा, लेकिन मुझे जमानत चाहिए। मैं 80 साल का हूं।

मुझे ईडी के अलावा 28 अन्य मामलों में गिरफ्तार किया गया। ऐसे तो मेरी मौत जेल में ही हो जाएगी। उन्होंने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाए। कहा- जिस समय मुझे रिहा किया जा रहा था, ठीक उसी समय ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। वे बस यही चाहते हैं कि चुनाव के दौरान मैं जेल के

अंदर ही रहूं। आजम खुद सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश नहीं हुए थे। उन्होंने ये बातें अपने वकील कपिल सिब्बल के जरिए कोर्ट से कहीं। 31 अक्टूबर को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में आजम को रामपुर जेल से निकलते ही गेट पर गिरफ्तार कर लिया था। अगले दिन सुबह विशेष PMLA कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में गाजियाबाद की डासना जेल भेज दिया था। आजम खान बेटे अब्दुल्ला के साथ 11 महीने बाद 31 अक्टूबर यानी शनिवार की शाम सवा 7 बजे रामपुर जेल से बाहर आए। उनके बाहर आने से 15 मिनट पहले ED की एक टीम जेल के अंदर दाखिल हुई थी। CRPF के 24 जवान भी तैनात थे। जेल के मेन गेट पर सफेद रंग की कार से पहुंचे अफसरों और आजम के वकीलों के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान आजम ने भी अफसरों के सवालों के जवाब दिए, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद अधिकारी उन्हें अपनी कार में बैठाकर ले गए। इसी दौरान आजम ने आसमान की तरफ हाथ उठाकर इशारा किया और कहा- अल्लाह सब देख रहा है। अब कहने को क्या है? यह मुसलमान होने की सजा है। गलती यह है कि एक मुसलमान ने यूनिवर्सिटी बनाई। यह हमारा गुनाह है।

29 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने 2 पैन कार्ड मामले में आजम और बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा सस्पेंड कर दोनों को जमानत दे दी थी। इसके बाद दोनों को रामपुर जेल से रिहा कर दिया गया था।

सिब्बल बोले- बकरी-गाय को अपराध से अर्जित आय बताया गया

कपिल सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि ईडी की गिरफ्तारी गलत नीयत से की गई। मामला 2006 का है। FIR 2019 में फाइल हुई। PMLA कहां से आ गया? उन्होंने कहा- आरोपों को देखिए। एक लिस्ट है कि 2016 में आरोपी एक घर में घुसे और 5 हजार रुपए और एक तोला सोने की बालियां लूटकर ले गए और घर को बुलडोजर से गिरा दिया। उन्होंने कहा- अगली शिकायत है कि उसी दिन आरोपी एक और घर में घुसे और परिवार को धमकाकर नकदी लूट ली। 4 बकरियां ले गए और घर गिरा दिया। बकरी और गाय को अपराध से अर्जित आय बता दिया गया। ये सब क्या हो रहा है?

कोर्ट ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि वह इस मामले को 16 नवंबर से पहले एक डिविजन बेंच के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। बेंच 16 नवंबर को ही आजम की याचिका पर अंतरिम आदेश पास करे।

उत्तर प्रदेश के राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि

अक्टूबर में 1,939 करोड़ रुपये की अधिक प्राप्ति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजस्व संग्रह के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अक्टूबर माह में प्रदेश सरकार को प्रमुख कर-करेत्तर राजस्व मदों से कुल 19,686 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जबकि गत वर्ष इसी माह में 17,747 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार अक्टूबर 2025 की तुलना में अक्टूबर 2026 में राजस्व संग्रह में 1,939 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने राजस्व प्राप्तियों की जानकारी देते हुए बताया कि अक्टूबर 2026 में जीएसटी के अंतर्गत 8,154 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि गत वर्ष यह 6,831 करोड़ रुपये था। इस प्रकार जीएसटी संग्रह में 1,323 करोड़ रुपये की

वृद्धि हुई। इसी प्रकार वैट से 2,705 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो गत वर्ष के 2,402 करोड़ रुपये के मुकाबले 303 करोड़ रुपये अधिक है।

वित्त मंत्री ने बताया कि स्टाम्प एवं निबंधन विभाग में 2,714 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि गत वर्ष 2,287 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी। इस प्रकार 427 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। भू-तत्व एवं खनिकर्म विभाग में राजस्व प्राप्ति 300 करोड़ रुपये से बढ़कर 356 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वर्ष की तुलना में 56 करोड़ रुपये अधिक है।

फास्ट न्यूज

दिवाली पर अयोध्या, काशी-मथुरा को उड़ाने की धमकी

अयोध्या। यूपी में दिवाली पर अयोध्या-काशी और मथुरा में बम धमाके करने की धमकी दी गई है। बुधवार दोपहर 12:25 बजे अयोध्या कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर स्लेटर जॉन्सन नाम से मेल आया। इसमें लिखा था- "8 नवंबर को काली दिवाली होगी। अयोध्या, वाराणसी और मथुरा बोलेगा खालिस्तान-खालिस्तान जिंदाबाद, 8 नवंबर से धमाके होंगे, जो 27 नवंबर तक चलेंगे।"

सीएमओ कार्यालय में फार्मासिस्टों का प्रदर्शन

हमीरपुर। हमीरपुर में डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की जिला इकाई ने गुरुवार दोपहर 2 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। फार्मासिस्टों ने अपनी 10 लंबित मांगों के समाधान की मांग उठाई। सीएमओ के आश्वासन के बाद संगठन ने आंदोलन स्थगित कर दिया। जिलाध्यक्ष अंकित सचान के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में फार्मासिस्टों ने लंबे समय से लंबित समस्याएं उठाईं। उन्होंने कहा कि कई बार मांग उठाने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। इससे फार्मासिस्टों को परेशानी हो रही है।

धान की क्रॉप कटिंग के लिए पहुंचे डीएम

बहराइच। बहराइच के जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने गुरुवार दोपहर 1 बजे तेजवापुर ब्लॉक के सिसई हैदर गांव में धान की क्रॉप कटिंग कराई।

किसान राधे पुत्र राधेश्याम के खेत के गाटा नंबर 114 पर हुई कटाई में प्रति हेक्टेयर 44.80 क्विंटल धान की उपज मिली। यह पिछले साल जिले की औसत उपज 42.73 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से 2.07 क्विंटल अधिक है।

दीपोत्सव में स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच, 12 स्थानों पर एंबुलेंस तैनात

हर प्रमुख स्थल पर मिलेगी आपात चिकित्सा सहायता

- 12 निजी अस्पतालों में पांच-पांच बेड आरक्षित, जरूरत पड़ने पर तत्काल उपचार की व्यवस्था
- स्वास्थ्य विभाग का मेला कंट्रोल रूम सक्रिय, आपात स्थिति में 8881004894 पर करें संपर्क

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और मार्गदर्शन में दीपोत्सव 2026 में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर व्यापक चिकित्सा व्यवस्था की गई है। दीपोत्सव के दौरान लाखों लोगों की संभावित भीड़ को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रमुख आयोजन स्थलों पर एंबुलेंस तैनात करने के साथ मोबाइल चिकित्सा टीमों और अस्पतालों में उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की है। आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए मेला कंट्रोल रूम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संपर्क नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को इलाज के लिए भटकना न पड़े। दीपोत्सव के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 12 प्रमुख स्थलों पर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। इनमें लक्ष्मण किला, भजन संध्या स्थल, चौधरी चरण सिंह घाट, नागेश्वरनाथ, वीणा चौराहा (लतामंगेशकर चौक), कारसेवकपुरम, हनुमानगढ़ी, हनुमान-नगुफा, साकेत पेट्रोल पंप, श्रीराम जन्मभूमि (परिकोटा), कनक भवन मंदिर परिसर और कंट्रोल रूम शामिल हैं। इन स्थलों पर तैनात एंबुलेंस के माध्यम से श्रद्धालुओं को जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता और अस्पताल पहुंचाने की सुविधा मिलेगी।

मथुरा में कार ने बाप-बेटे-नाती को कुचला

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। राया थाना क्षेत्र के गजू गांव के पास गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बरेली हाईवे पर तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और खेत में काम कर रहे तीन लोगों को कुचल दिया।

हादसे में पिता, बेटे और नाती की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान जवाहर सिंह (70), उनके बेटे हरवीर (30) और नाती अंकित (24) के रूप में हुई है।

हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। घायल चालक अमन शर्मा का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी के मुताबिक, जवाहर सिंह हाईवे से करीब 200 मीटर दूर अपने खेत में पूर्वजों की समाधि बनवा रहे थे। इस दौरान उनके साथ बेटे हरवीर और नाती अंकित भी मौजूद थे। तभी हाईवे से गुजर रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे उतरकर खेत में जा घुसी। कार की चपेट में आने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

पूर्वजों की समाधि बनवा रहे थे, हाईवे से 200 मीटर दूर कार ने रौंदा

हाईवे के पास खेत में काम करवा रहे थे

गजू गांव के रहने वाले जवाहर अपने खेत में पूर्वजों की समाधि पक्की करवा रहे थे। उनका बेटा हरवीर और नाती अंकित भी साथ में थे। इसी दौरान बरेली से मथुरा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने तीनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार खेत में रखे पत्थर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। शीशे टूट गए और छत पिचक गई। ड्राइवर स्टेयरिंग और सीट के बीच फंस गया। बोनट से धुआं निकलने लगा

हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा।

चालक की पहचान वृंदावन के कैलाश नगर निवासी अमन शर्मा के रूप में हुई है। वह स्टेशनरी की दुकान चलाता है और अलीगढ़ से वृंदावन लौट रहा था। हादसे के बाद चालक कार में फंस गया था। पुलिस ने कार का गेट कटवाकर उसे बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। पूछताछ में चालक ने पुलिस को बताया कि उसे अचानक नींद की झपकी आ गई थी, जिससे कार बेकाबू हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत की खबर फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

गुस्साए लोगों ने बरेली हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद यातायात सामान्य कराने की कार्रवाई की गई।

पुलिस हादसे की जांच कर रही है। तीन लोगों की एक साथ मौत से परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

बीबीडी ग्रीन सिटी में 4 और 5 बीएचके के विला होंगे तैयार, परियोजना में 60 प्रतिशत हिस्सा हरित और खुले क्षेत्र के लिए रखा गया

लखनऊ में लॉन्च हुई बीबीडी एम्ब्रोसिया, 24 एकड़ में बनेंगे 231 लग्जरी विला

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में लग्जरी आवासीय परियोजनाओं की बढ़ती मांग के बीच बीबीडी समूह की कंपनी विराज कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी नई परियोजना 'बीबीडी एम्ब्रोसिया' लॉन्च की है। 31 अक्टूबर को आईटीसी फॉर्च्यून पार्क बीबीडी में आयोजित समारोह में 4 बीएचके और 5 बीएचके श्रेणी के लग्जरी विला परियोजना की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में बीबीडी समूह के चेयरमैन विराज सागर दास और देवांशी सागर दास के साथ अमित श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। शहर के करीब 200 चैनल पार्टनर और रियल एस्टेट ब्रोकर भी समारोह में शामिल हुए। परियोजना की जानकारी कंपनी के हेड ऑफ सेल्स बृजेश पाण्डेय ने

दी। डेवलपर की ओर से परियोजना में कई सुविधाएं देने की बात कही गई है। इनमें 24 घंटे गेटेड सुरक्षा, सीसीटीवी आधारित तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, कम्युनिटी क्लबहाउस, सेंट्रल पार्क और पैटियो शामिल हैं।

इसके अलावा बच्चों के लिए अलग क्षेत्र और प्ले जोन, नेचर वॉक तथा जॉगिंग ट्रैक जैसी सुविधाएं भी प्रस्तावित हैं। कंपनी का कहना है कि परियोजना को हरित वातावरण और प्रीमियम जीवनशैली को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

ढाई साल में परियोजना पूरी करने का लक्ष्य

कंपनी के हेड ऑफ सेल्स बृजेश पाण्डेय ने कहा कि बीबीडी एम्ब्रोसिया को स्थान, निर्माण गुणवत्ता और जीवनशैली के लिहाज से खास बनाया गया है। उनके मुताबिक, यह शहर के भीतर हरित वातावरण वाली परियोजना होगी, जहां रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी सुविधाएं नजदीक उपलब्ध होंगी। कंपनी के अनुसार, लखनऊ में पिछले तीन से चार वर्षों के दौरान लग्जरी जीवनशैली वाले आवासों की मांग बढ़ी है। परियोजना स्थल पर विकास कार्य शुरू हो चुका है और इसे लगभग ढाई वर्ष में पूरा करने की उम्मीद है। इसका पहला चरण लॉन्च किया जा चुका है, जबकि दूसरे चरण को मार्च 2027 तक लॉन्च करने की योजना है।

24 एकड़ में बनेंगे 231 लग्जरी विला

कंपनी के अनुसार, बीबीडी एम्ब्रोसिया 318 एकड़ में फैली बीबीडी ग्रीन सिटी टाउनशिप के भीतर 24 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। परियोजना में कुल 231 विला प्रस्तावित हैं। इसका लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हरित और खुले क्षेत्र के रूप में रखा गया है। परियोजना के केंद्र में 66 हजार वर्गफुट का षट्कोणीय बहुउद्देशीय पार्क बनाया जाएगा। कंपनी के मुताबिक, 4 बीएचके विला का निर्मित क्षेत्र करीब 3,100 वर्गफुट और लिफ्ट वाले 5 बीएचके विला का निर्मित क्षेत्र लगभग 4,500 वर्गफुट होगा।

न्यू गोमती नगर में स्थित है परियोजना

बीबीडी एम्ब्रोसिया का पता बीबीडी ग्रीन सिटी, सनब्रीज-1 के सामने, न्यू गोमती नगर, अयोध्या रोड, लखनऊ बताया गया है। डेवलपर के मुताबिक, पूरी बीबीडी ग्रीन सिटी टाउनशिप 318 एकड़ में फैली है, जिसमें करीब 100 एकड़ हरित क्षेत्र है।

दसवें दीपोत्सव में रामनगरी के 500 वर्षों का इतिहास होगा जीवंत

रामकथा पार्क में अभिनय से दिखेगा मंदिर आंदोलन के पुरोधाओं का योगदान

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित दसवें दीपोत्सव-2026 में इस बार रामनगरी के इतिहास, श्रीराम मंदिर आंदोलन और अयोध्या के विकास की यात्रा को विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। संस्कृति विभाग की ओर से रामकथा पार्क में लगाई जाने वाली इस प्रदर्शनी में वर्ष 1500 ईस्वी से लेकर वर्तमान समय तक के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को दर्शाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इसका अवलोकन करेंगे। प्रदर्शनी के जरिए श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अयोध्या के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक बदलावों की विस्तृत जानकारी मिलेगी। प्रदर्शनी में श्रीराम मंदिर आंदोलन के प्रमुख पुरोधाओं के योगदान को अभिनय आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत रूप में दिखाया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण पड़ावों, मंदिर निर्माण की प्रक्रिया और वर्तमान भव्य स्वरूप तक की यात्रा को भी प्रदर्शित किया जाएगा। मंदिर परिसर के विकास के साथ अयोध्या में हुए आधारभूत ढांचे के विस्तार, सड़कों, सुविधाओं और शहर के बदलते स्वरूप की कहानी भी इसमें शामिल रहेगी। प्रदर्शनी में वर्ष 1500 ईस्वी से लेकर आधुनिक अयोध्या तक की यात्रा को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने की तैयारी है। इसमें रामनगरी के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व से जुड़े प्रसंगों के साथ श्रीराम मंदिर आंदोलन के विभिन्न चरणों को भी स्थान दिया जाएगा। आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुरोधाओं के योगदान को अभिनय के माध्यम से दर्शकों के सामने रखा जाएगा, जिससे लोग उस दौर की घटनाओं और उनसे जुड़े व्यक्तित्वों को करीब से समझ सकें।

भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता व अस्थिरता की आग में झोंकने का हो रहा प्रयास: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर साधा निशाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने गुरुवार को फिर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगातार नकार रही है। सीएम योगी आज गाजियाबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मर्यादाओं और जनादेश के सम्मान पर आधारित हमारी राष्ट्रीय शक्ति है। जनता के द्वारा लगातार नकारे जा रहे कांग्रेस और इंडी गठबंधन के द्वारा भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था की आग में झोंकने का निरंतर प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री

योगी ने बताया कि भारत के लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मर्यादाओं के सम्मान और जनादेश की सर्वोच्चता का संदेश लेकर आज गाजियाबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में सहभाग करूंगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और भारत के लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता का विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कांग्रेस व उसके इंडी गठबंधन को निरंतर आईना दिखाकर उनके लोकतंत्र विरोधी कृत्यों पर लगातार प्रहार कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

पत्नी को कुर्सी से बांधकर जिंदा जलाया

अफेयर का शक था, बच्चों को लेकर भागा

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। कन्नौज में पति ने पत्नी को जिंदा जलाकर मार डाला। आरोप है कि वह पत्नी पर शक करता था। उसे लगता था कि पत्नी का किसी और से अफेयर चल रहा है। गुरुवार सुबह 7 बजे पति ने पत्नी सोनम (32) को कुर्सी से बांधा। फिर उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। सोनम आग की लपटों में घिरी तो पति सुखबीर सिंह उर्फ मोनू (35) दोनों बच्चों को लेकर भाग गया। इधर, मकान से आग की ऊंची लपटें उठती देखकर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल-कर्मी घर के अंदर पहुंचे तो सोनम का कंकाल मिला। सुखबीर सिंह ने 11 साल पहले सोनम से लव-मैरिज

की थी। घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र की है। सुखबीर जगतपुर गांव का रहने वाला है। उसका बड़ा बेटा 7 साल का और बेटी 5 साल की है। सुखबीर 14 साल से हिसार में प्राइवेट नौकरी कर रहा था। वहीं उसकी मुलाकात शिकोहाबाद की रहने वाली सोनम से हुई थी। वह भी प्राइवेट नौकरी करती थी। दोनों के बीच प्यार हुआ और 11 साल पहले उन्होंने लव मैरिज कर ली। इसके बाद दोनों हिसार में रहने लगे।

प्रदेश में 67.50 लाख बुजुर्गों को मिल रही वृद्धावस्था पेंशन, जौनपुर जनपद अव्वल

प्रदेश के सभी 75 जिलों में 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से मिल रहा लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत प्रदेश के 75 जिलों में 67.50 लाख पात्र बुजुर्गों को हर महीने आर्थिक सहायता दी जा रही है। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रत्येक लाभार्थी को 1,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन उपलब्ध कराई जा रही है।

सरकार के मुताबिक, इस योजना का उद्देश्य बुजुर्गों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा देना है।समाज कल्याण विभाग की ओर से 5 नवंबर 2026 को जारी जानकारी के अनुसार, प्रदेश में पेंशन वितरण के मामले में जौनपुर जिला सबसे आगे है। यहां कुल 2,24,345 बुजुर्ग पेंशन योजना का लाभ ले रहे हैं। लाभार्थियों की संख्या के आधार पर आजमगढ़ दूसरे और गोरखपुर

तीसरे स्थान पर है। आजमगढ़ में 1,97,129 और गोरखपुर में 1,72,917 पेंशनर्स हैं। इसके बाद गाजीपुर और हरदोई का स्थान है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पेंशन पाने वाले लाभार्थियों की संख्या के मामले में प्रदेश के शीर्ष 10 जिले इस प्रकार हैं। वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत पात्र बुजुर्गों को 1,000 रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। सरकार का कहना है कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। पेंशन के माध्यम से बुजुर्गों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतों और छोटे-मोटे खर्चों के लिए आर्थिक मदद मिलती है। सरकार ने पेंशन वितरण में बेहतर काम करने वाले जिलों के प्रदर्शन को सराहनीय बताया है। विभाग के अनुसार, पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए जिलों में समन्वय और तत्परता के साथ काम किया जा रहा है।

कई में वेटिंग 126 पार, आगरा से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों में नो रूम जैसे हालात

दिवाली-छठ पर ट्रेनों में सीटों का संकट

मुश्किलें

तमसा संकेत, एजेंसी

यात्रियों का कहना है कि उन्होंने करीब एक महीने पहले टिकट बुक कराया था, लेकिन इसके बावजूद वेटिंग कम नहीं हुई। अब त्योहार पर घर पहुंचने के लिए उन्हें तत्काल टिकट या बस का सहारा लेना पड़ रहा है। यात्रियों के मुताबिक, त्योहार के समय बसों में भीड़ बढ़ने के साथ किराया भी सामान्य दिनों के मुकाबले दोगुना वसूला जा रहा है। ऐसे में ट्रेन में कंफर्म सीट नहीं मिलने और बसों का किराया बढ़ने से लोगों का यात्रा बजट भी प्रभावित हो रहा है।

आगरा। दिवाली और छठ पूजा पर अपनों के बीच त्योहार मनाने की तैयारी कर रहे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। त्योहार से पहले ही ट्रेनों में सीटों का संकट गहरा गया है। आगरा से गुजरने वाली मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली और जम्मू की ओर जाने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में वेटिंग 125 के पार पहुंच गई है। स्लीपर से लेकर एसी कोच तक कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है। कई ट्रेनों में तो नो रूम की स्थिति बन गई है। बुधवार को आगरा फोर्ट स्टेशन पर मरुधर एक्सप्रेस के पहुंचते ही यात्रियों के बीच सीट पाने की होड़ मच गई। ट्रेन के कोच में जगह बनाने के लिए लोग दौड़ पड़े। गेट पर धक्का-मुक्की होने लगी। भीड़ का आलम यह था कि स्लीपर और जनरल कोच में अंतर करना भी मुश्किल हो रहा था। कई यात्रियों को सीट नहीं मिली और उन्हें प्लेटफॉर्म पर बैठकर इंतजार करना पड़ा। त्योहार के दौरान हर साल ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ती है, लेकिन इस बार टिकटों की लंबी वेटिंग और कोचों में भीड़ ने यात्रियों की परेशानी और बढ़ा दी है।

त्योहार पर घर जाने के लिए यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं। कई प्रमुख ट्रेनों में लंबी वेटिंग चल रही है। कुछ ट्रेनों में सीटें पूरी तरह भर चुकी हैं। उपलब्ध टिकट स्थिति के मुताबिक, गाड़ी संख्या 12162 लश्कर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 14 नवंबर को द्वितीय एसी में रिग्रेट यानी टिकट उपलब्ध नहीं है। तृतीय एसी में 119 और स्लीपर में 126 की वेटिंग चल रही है। इसी तरह 12618 मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस में 5 नवंबर को द्वितीय एसी में 27, तृतीय एसी में 53 और स्लीपर में 104 की वेटिंग है। 22222 सीएसएमटी राजधानी और 22692 शताब्दी राजधानी में भी 5 नवंबर को तृतीय एसी में 109-109 की वेटिंग दर्ज की गई।

मरुधर एक्सप्रेस में सीट के लिए यात्रियों में धक्का-मुक्की

बुधवार शाम आगरा फोर्ट स्टेशन पर मरुधर एक्सप्रेस के पहुंचते ही प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ट्रेन रुकते ही यात्री कोच में चढ़ने के लिए दौड़ पड़े। सीट और जगह पाने की कोशिश में कोच के दरवाजों पर धक्का-मुक्की होने लगी।

भीड़ इतनी अधिक थी कि स्लीपर और जनरल कोच के बाहर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई।

कई लोग किसी तरह कोच में जगह बनाने की कोशिश करते रहे, जबकि कुछ यात्रियों को सीट नहीं मिल सकी।

उन्हें प्लेटफॉर्म पर ही बैठकर इंतजार करना पड़ा।

त्योहार से पहले ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले परिवारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बलदेव में ब्रज चौरासी कोस कथा और रासलीला महोत्सव का भूमि पूजन

14 से 21 नवंबर तक होगा आठ दिवसीय आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले श्री ब्रज चौरासी कोस कथा एवं दिव्य रासलीला महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्री राधारानी संकीर्तन मंडल और अग्रवाल समाज संगठन, बलदेव क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में यह आठ दिवसीय आयोजन 14 से 21 नवंबर 2026 तक होगा। इसी क्रम में गुरुवार को सारस्वत धर्मशाला स्थित कथा स्थल पर वैदिक रीति-रिवाज के साथ भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन का अनुष्ठान पंडित मोनू शास्त्री और ज्योतिषाचार्य बृजेश व्यास के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश के पूजन-अर्चन से की गई। श्रद्धालुओं ने आयोजन के निर्विघ्न और सफल होने की मंगलकामना की। आयोजन समिति के संयोजक संजीव अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के दौरान पद्मभूषण वात्सल्यमूर्ति साध्वी दीदी मां ऋतंभरा की कृपापात्र शिष्या महामंडलेश्वर साध्वी सत्यप्रिया गिरी के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत और श्री ब्रज चौरासी कोस कथा का वाचन होगा। वहीं, रासाचार्य देवेंद्र वशिष्ठ भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन करेंगे। आयोजन समिति के अनुसार, कथा और रासलीला के माध्यम से श्रद्धालुओं को ब्रज की धार्मिक परंपरा और आध्यात्मिक प्रसंगों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। संयोजक संजीव अग्रवाल ने बताया कि 14 नवंबर को नगर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी।

फास्ट न्यूज

नकली दवाइयों के मामले में 3 आरोपियों की जमानत खारिज

आगरा। आगरा के मलपुरा में भारी मात्रा में कथित नकली दवाइयां मिलने के मामले में तीन आरोपियों को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। बुधवार को एडीजे-8 रविकांत ने सलुआ उर्फ मुकीम, इकरार और शामिन उर्फ छोटू की जमानत अर्जी खारिज कर दी। तीनों आरोपियों को रामबाबू स्कूल के पास एक गोदाम पर छापेमारी के दौरान पकड़ा गया था।

गाजीपुर पुलिस ने 251 गुम मोबाइल लौटाए

गाजीपुर। गाजीपुर में पुलिस ने खोए और गुम हुए 251 मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को लौटा दिए। इनकी अनुमानित कीमत 58 लाख 23 हजार 200 रुपए बताई गई है। गुरुवार दोपहर 1 बजे फोन उनके असली मालिकों को सौंपे गए। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गुम मोबाइल फोन खोजने का अभियान चलाया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और नगर, सभी क्षेत्राधिकारियों की निगरानी में सर्विलांस और स्वाट टीम के साथ जिले के अलग-अलग थानों की पुलिस ने कार्रवाई की।

मेरठ में शादी से इनकार पर युवती की हत्या

मेरठ। मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को बिजली बंबा बाईपास पर प्रेम हॉस्पिटल के पास जंगल में 25 साल की युवती का शव मिला।

पुलिस के मुताबिक, गला घोंटकर उसकी हत्या की गई थी।

मृतका की पहचान लिसाड़ी गेट क्षेत्र के गड्ढे वाली मस्जिद निवासी समरीन के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का आरोप उसके प्रेमी फिरोज पर लगाया है।

बोले- मेरे जिले में जिलाध्यक्ष समन्वय नहीं बनाते, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा- काम का मूल्यांकन होगा

नितिन नवीन के सामने विधायक का छलका दर्द

तमसा संकेत, एजेंसी

- गोरखनाथ मंदिर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को सीएम योगी ने स्मृति चिह्न भेंट किया।
- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के घर पहुंचे।

गोरखपुर। गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को जनप्रतिनिधियों और पूर्व पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक में संगठन के भीतर आपसी तालमेल का मुद्दा भी उठा। एक विधायक ने अपने जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष पर समन्वय नहीं बनाने की शिकायत की। इस शिकायत को प्रदेश संगठन मंत्री ने नोट किया। बैठक के दौरान नितिन नवीन ने कहा कि संगठन में सभी का मूल्यांकन उनके काम के आधार पर होगा। उनके इस बयान को संगठन के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के कामकाज पर जोर देने के तौर पर देखा जा रहा है। बैठक में पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व एमएलसी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष शामिल हुए। पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संगठन की स्थिति और उनके अनुभवों पर चर्चा की गई। नितिन नवीन का यह दौरा आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी के पुराने नेताओं से संवाद के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा। दौरे के दौरान उन्होंने वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

इससे पहले गुरुवार सुबह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन गोरखनाथ मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुके देकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य ने वैदिक विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। नितिन नवीन ने मंदिर में दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उनके साथ मौजूद रहे। मंदिर में पूजा के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने दौरे के निर्धारित संगठनात्मक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। नितिन नवीन 4 और 5 नवंबर को गोरखपुर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। दौरे के पहले दिन उन्होंने पार्टी के कार्यक्रम में हिस्सा लिया और जनप्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें कीं। दूसरे दिन उनका कार्यक्रम मुख्य रूप से पूर्व पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद पर केंद्रित रहा।

केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान के घर पहुंचे

गोरखनाथ मंदिर से निकलने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के घर पहुंचे। वहां से केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान के आवास पर गए। यहां पूर्व सांसद एवं कमलेश पासवान की माता सुभावती पासवान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। यहां से एनेक्सी भवन चले गए।

चौरी चौरा से विधायक इं. सरवन निषाद ने कहा- राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ आज निषाद पार्टी व अपना दल के विधायकों की बैठक थी। उन्होंने जनता के बीच जाने व धरातल पर काम करने को कहा है।

बैठक में पदाधिकारियों ने कहा- कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं मिल पाता

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एनेक्सी भवन में पूर्व पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पूर्व पदाधिकारियों ने कहा कि कार्यकर्ता इतनी मेहनत करते हैं लेकिन जब टिकट का समय आता है तो उन्हें टिकट नहीं मिल पाता है। इस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान है। सभी लोग चुनाव में जुटिये, कार्यकर्ताओं का ध्यान रखा जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर जमीनी हकीकत के बारे में जाना। साथ ही पूर्व जनप्रतिनिधियों से उनके कार्यकाल से अबतक क्षेत्र में जनता का मूड कितना बदला है, इस बात की भी जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ली।

मिर्जापुर के योग गुरु योगी ज्वाला सिंह सम्मानित

मिर्जापुर। लखनऊ के गोमती नगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में योगकुलम के स्थापना दिवस की दसवीं वर्षगांठ पर योग तरंग महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के योग शिक्षकों और योग निर्णायकों को सम्मानित किया गया।

इस दौरान मिर्जापुर जिले के पतंजलि युवा भारत उत्तर प्रदेश पूर्व के राज्य प्रभारी-राष्ट्रीय योगासन जज योग गुरु योगी ज्वाला सिंह को विशिष्ट योग शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कथा वाचक पूज्य दिलीप शुक्ला, योगकुलम के संस्थापक मनीष प्रताप सिंह, यूनिवर्सल बुक सेलर्स के चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव और उत्तम पौरवाल ने वैदिक मंत्रोच्चार-दीप प्रज्वलन के साथ किया।

हाथरस में पति-पत्नी की जिंदा जलकर मौत

घर में सो रहे थे, बेड पर मिले शव, बेटा शादी में बाहर गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

सादाबाद (हाथरस)। हाथरस में घर में भीषण आग लग गई। हादसे में सो रहे पति-पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई। दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। बेड पर दोनों की लाश मिली। हादसा बुधवार रात 2 बजे हुआ। मकान से आग की ऊंची लपटें और धुआं उठता देख पड़ोसियों को हादसे का पता चला। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घर के अंदर मिले पति-पत्नी के शव इतनी बुरी तरह जल चुके थे कि पहचान करना मुश्किल था। आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी।

परिवार सिलाई का काम करता था। त्योहार के चलते मकान में काफी माल रखा था। इससे आग तेजी से फैली और कुछ ही मिनटों में पूरे मकान को चपेट में ले लिया। सब्बू और सलमान फेरी लगाते हैं, जबकि सानू सिलाई-कढ़ाई का काम करता है।

वहीं, सद्दन आर्टिफिशियल पायल का कारोबार करता है। पड़ोसियों ने बताया कि सब्बू बुधवार को फेरी लगाने मथुरा गया था। इसके बाद वह ससुराल आगरा चला गया। वहां किसी की शादी थी। पत्नी-बच्चे पहले से ही आगरा में थे।

धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मानहानि का केस

श्रीकृष्ण को टेढ़ा कहा था, आगरा कोर्ट में 14 दिसंबर को होगी सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज किया गया है। धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण को लेकर बयान दिया था। वकील अजय प्रताप सिंह ने कोर्ट में परिवाद दाखिल किया है। वकील का आरोप है कि धीरेंद्र शास्त्री की टिप्पणी से भगवान श्रीकृष्ण के वंशजों की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। उन्होंने अपने परिवाद में जादौन, जडेजा और भाटी क्षत्रिय वंश का भी जिक्र किया है। आगरा सिविल कोर्ट ने परिवाद रजिस्टर कर लिया है। मामले में अगली सुनवाई 14 दिसंबर को होगी। सुनवाई सिविल जज जूनियर डिवीजन-5 की अदालत में न्यायाधीश कंचन कुमारी के समक्ष हुईं। वकील ने अपने परिवाद में मथुरा गजेटियर और अलेक्जेंडर कनिंघम की पुस्तक 'रिपोर्ट ऑन ईस्टर्न राजपूताना 1882-83' का उल्लेख किया है। उनका दावा है कि इन पुस्तकों में भी इन वंशों का जिक्र मिलता है। अजय प्रताप सिंह ने खुद को माता पक्ष से भगवान श्रीकृष्ण का वंशज बताया है। उनका आरोप है कि कथावाचक की टिप्पणी से वंशजों की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसी आधार पर उन्होंने आपराधिक मानहानि का केस दाखिल किया है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान की सफाई में आगे कहा था- जैसे सखियां श्रीराम को उलाहना देती हैं। गोपियां ठाकुर श्रीकृष्ण को उलाहना देती हैं। कवि बिंदुजी महाराज ठाकुरजी को और ब्रज के संत कोकिल सांई जी रघुनाथ जी को उलाहना देते हैं। वैसे ही हमने भी भाव में एक पद कहा था। यह एक संत का बहुत प्रचलित पद है- 'बंसी बजाना तो खेल ही है, पर धनुष उठाना खेल नहीं।' हम उसी पद की व्याख्या कर रहे थे। लेकिन, कई लोगों ने पूरी वीडियो देखने की जगह आधा वीडियो देखकर हमें कृष्ण विरोधी बता दिया। हम कृष्ण विरोधी नहीं हैं। श्रीकृष्ण हमारे ठाकुरजी हैं। हम खुद कृष्ण जन्मभूमि के लिए बार-बार आवाज उठाते हैं। हमारे नाम में भी उनका नाम जुड़ा है।

'गाय चराना खेल, बंदरों को नचाना खेल नहीं'

धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान कृष्ण के गाय चराने और पर्वत उठाने का भी जिक्र किया था। कहा था- लोग कहेंगे कि हमारे वाले भगवान तो गाय चराते हैं। गाय तो कोई भी चरा सकता है। गाय चराना तो खेल भी है, बंदरों को नचाना खेल नहीं। इसके बाद उन्होंने भगवान कृष्ण के गोवर्धन पर्वत उठाने का जिक्र किया था। कहा था- तुम कहोगे कि हमारे वाले तो पर्वत उठा लेते हैं। यह कोई बड़ी बात है क्या? हमारे वाले भगवान के चेले ने तो पूरा पर्वत ही उड़ा दिया। उनका इशारा भगवान राम के भक्त हनुमान की ओर था।

'बंसी बजाना खेल, धनुष चलाना खेल नहीं'

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था- बंसी बजाना तो खेल भी है, धनुष चलाना खेल नहीं। जितने ठाकुरजी वाले बैठे हैं, आज तो तुम्हारे ठाकुरजी की भी जय-जयकार हो रही है। फिर उन्होंने बंसी बजा रहे कलाकार की ओर इशारा करते हुए कहा- सुनो, तुम्हारे ठाकुरजी क्या करते हैं? बंसी बजाते हैं? तो बंसी बजाना कोई बड़ी बात थोड़ी है। देखो, हमारे यहां तो ये भी बजा रहा है। बजा-बजा, बजा। लो, लो। इसके बाद बांसुरी वादक ने कुछ देर तक बंसी की धुन सुनाई। धीरेंद्र शास्त्री ने कथा में बैठे लोगों से पूछा- रामजी को मानने वाले कितने लोग बैठे हैं, हाथ उठाओ। हां! आज तुम लोग फूले नहीं समाओगे। हालांकि, इस पर विवाद बढ़ते ही धीरेंद्र शास्त्री ने वीडियो जारी करके सफाई दी थी। कहा था- कई लोगों ने मेरी बात का गलत मतलब निकाल लिया। हम खुद ठाकुरजी और ब्रज के भक्त हैं। जब भी ठाकुरजी से प्रार्थना करते हैं, तो कहते हैं कि हमें ब्रज में वास मिले।

पृष्ठ 01 का शेष...

राहुल अराजकता ...

उन्होंने म्यूजियम को लेकर मंत्री अनिल विज की भी तारीफ करते हुए कहा- इन्हें लोग सालों-साल याद रखेंगे। वहीं, सीएम ने अपने संबोधन में शाह को लौहपुरुष कहा। इससे पहले करनाल में हुई पदयात्रा में अमित शाह का फोकस राहुल गांधी और विपक्ष पर रहा। यहां उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना। 2024 के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। शाह ने कहा, "राहुल जी, आप संसद चलने नहीं देते। मुद्दों पर चर्चा नहीं करते। संसद में शोर-शराबे को कांग्रेस ने अपना कल्चर बना दिया है। सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके अनार्किस्ट (अराजकतावादी) की तरह अराजकता फैलानी है।" नशा मुक्त हरियाणा के लिए लोगों ने कमर कस ली है। नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को प्रायोरिटी दी है, क्योंकि जिस वक्त संगठन सचिव थे तब वो हरियाणा के प्रभारी थे। मैं आज कहने आया हूं- नायब बोलते कम हैं, लेकिन काम करने में बहुत तेज हैं। 2029 में जब वोट लेने आएंगे तब हम सभी घोषणाओं को समाप्त करके आएंगे। शाह ने आगे कहा- सन 1857 की क्रांति के सेनानियों-योद्धाओं ने सर्वोच्च बलिदान दिया। अंबाला में बना स्मारक देश भर की युवा पीढ़ी के लिए देशभक्ति की प्रेरणा का सोर्स बनने वाला है। ये वही पवित्र भूमि है, जहां कभी सरस्वती बहा करती थी। यहां से लेकर दोआबा तक वेद-पुराणों की सरंचना हुई। सीएम ने कहा- स्वतंत्रता सेनानियों को सबसे ज्यादा 40 हजार की पेंशन देने वाला हरियाणा राज्य है। हरियाणा सरकार ने अपने 217 संकल्प में 76 को पूरा कर दिया है। 141 पर काम चल रहा है। हम वादे गिनते नहीं पूरे करते हैं। सीएम बोले- शाह जो ठान लेते हैं, उसे पूरा करके ही दम लेते हैं, इसलिए उनमें लौहपुरुष की छवि दिखती है। शाह के कार्यकाल में धारा 370 खत्म करना हो, 35-ए हटाने की बात हो..ये किसी ने सोचा तक नहीं था, आपके करके दिखाया। अंग्रेजों के बनाए आपराधिक कानूनों की बजाय तीन नए आपराधिक कानून आएंगे, ये किसने सोचा था। नई न्यायिक व्यवस्था शाह ने लागू की। सीएम नायब सैनी बोले- अंबाला की धरती पर शौर्य व राष्ट्रीय गौरव का अध्याय लिखा गया है। आजादी की पहली लड़ाई के शहीदी स्मारक का उद्घाटन करके अमित शाह ने उन शहीदों को राष्ट्र की ओर से नमन किया है, जिन्होंने भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए कुर्बानी दी। स्मारक ईंट-पत्थर की इमारत नहीं रहेगा बल्कि राष्ट्रभक्ति का तीर्थ बनेगा। विज ने कहा- स्मारक में 63 मीटर ऊंचा कमल का फूल लगाया है। गृहमंत्री ने आगे कहा- राहुल को बताना चाहता हूं कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह का बर्ताव नहीं करते। देश की जनता को तय करना है। देश की समस्याओं पर चर्चा, देश की जनता की भलाई की योजनाओं की चर्चा रोड पर होनी चाहिए या संसद में। राहुल को रोड पर चर्चा करने का इतना ही शौक है तो कोई बात नहीं, हरियाणा के किसी चौराहे का स्थान बताएं, हमारे युवा मोर्चा का अध्यक्ष चर्चा करना आएगा। अमित शाह ने कहा-कांग्रेस केरल में जीती तो वोटर लिस्ट ठीक थी। जहां हारती थी वहां ईवीएम और वोटर लिस्ट पर सवाल उठाते हैं। नाच न जाने आंगन टेढ़ा।

अगले 6 महीने में ...

अभ्यर्थियों का इंटरव्यू जिस दिन खत्म हुआ, उसी दिन शाम को बिना किसी देरी के रिजल्ट घोषित कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अधिकारियों को उनके काम की अहमियत समझाई। कहा- आज के दौर में अपराधियों से दो कदम आगे रहने के लिए टेक्नोलॉजी और साइंस का सहारा लेना बेहद जरूरी है। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने और निर्दोष को न्याय दिलाने में फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की भूमिका सबसे बड़ी होती है। जब तक हमारी फोरेंसिक रिपोर्ट मजबूत और सटीक नहीं होगी, तब तक अदालत में अपराधियों को सजा दिलाना मुश्किल होता है। इसलिए आप सभी के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में फोरेंसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का जिक्र किया। कुछ आंकड़े भी सामने रखे- इसके साथ ही सीएम ने लखनऊ में बने 'उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज' (UPIFS) का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये संस्थान देश और दुनिया के सबसे बेहतरीन फोरेंसिक एक्सपर्ट्स तैयार करने के मकसद से शुरू किया गया है, जहां युवाओं को वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग मिल रही है। कार्यक्रम में मौजूद वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भी राज्य सरकार की नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने हर क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कानून व्यवस्था में सुधार का ही नतीजा है कि आज देश-दुनिया के बड़े इन्वेस्टर्स यूपी में आ रहे हैं। फोरेंसिक विभाग में इन नए वैज्ञानिकों के आने से पुलिस की तफ्तीश में और ज्यादा तेजी और सटीकता आएगी। नियुक्ति पत्र पाने के बाद नवनियुक्त साइंटिफिक अफसरों के चेहरों पर खुशी साफ दिख रही थी। कई महिला और पुरुष अधिकारियों ने कहा- हमें उम्मीद नहीं थी कि बिना किसी पैरवी के इतनी आसानी और पारदर्शिता से हमारा चयन हो जाएगा। एक नवनियुक्त महिला अधिकारी ने बताया- इंटरव्यू बोर्ड का रवैया बेहद प्रोफेशनल था। सबसे अच्छी बात यह रही कि हमें रिजल्ट के लिए हफ्तों या महीनों का इंतजार नहीं करना पड़ा। इंटरव्यू वाले दिन ही शाम को लिस्ट आ गई। यह हमारे और हमारे परिवार के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

जंतर-मंतर हिंसा ...

कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को पीड़ितों की ओर से दाखिल वीडियो, याचिकाएं और हलफनामे कमेटी को भेजने की अनुमति दी। साथ ही निर्देश दिया कि कमेटी संबंधित पक्षों से जवाब लेकर नियमित अंतराल पर अंतरिम रिपोर्ट पेश करे। कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया था। इस पर शिकायतकर्ता को नाम, आधार नंबर या दूसरी पहचान संबंधी जानकारी देना जरूरी नहीं है। पोर्टल तक पहुंच सिर्फ कमेटी के चेयरमैन और संबंधित लोगों की है। कमेटी ने देशभर के 149 अखबारों में सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित कर शिकायतें आमंत्रित की थीं। ईमेल, डाक और कार्यालय में सीधे शिकायत देने की सुविधा भी रखी गई थी।

हिरासत के बाद 24 ...

29 सितंबर 2025 को दोपहर 2 बजे तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान चारों लोगों को हिरासत में लिया गया, लेकिन पुलिस ने उनकी औपचारिक गिरफ्तारी अगले दिन यानी 30 सितंबर को सुबह 11 बजे दर्ज की। मतलब हिरासत में लेने और गिरफ्तारी दर्ज करने के बीच करीब 21 घंटे का अंतर था। आरोपियों का कहना था कि उन्हें हिरासत में लेने के 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना चाहिए था। मामला त्रिपुरा हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके बाद आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

दिल्ली में 3 मंजिला ...

हादसे के समय मजदूर छत के नीचे लगे सपोर्ट सिस्टम को हटा रहे थे। इसी दौरान पूरी इमारत ढह गई। अधिकारी ने बताया कि निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री इंजीनियरिंग मानकों के मुताबिक तैयार नहीं थी और ठीक से सेट भी नहीं हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, इसी वजह से इमारत गिरी।

पीओके में पाकिस्तानी ...

गुरुवार को 7 लोगों की मौत के बाद इस आंदोलन में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 153 हो गई है। आंदोलन की शुरुआत स्थानीय लोगों के राजनीतिक अधिकारों और आर्थिक समस्याओं को लेकर हुई थी। अब प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की वापसी और अपने नेताओं पर दर्ज मामलों को खत्म करने की मांग भी कर रहे हैं।

तीन स्वतंत्र डायरेक्टर संभालेंगे कमान एसीई ने करीब 30 करोड़ रुपए तक फंडिंग का भरोसा दिया

अमेरिकी क्रिकेट को दिवालियापन से निकालने की तैयारी शुरु

तैयारी

लंदन, एजेंसी

अमेरिका क्रिकेट को दिवालिया-पन से बाहर निकालने की तैयारी शुरू हो गई है। कोर्ट नियुक्त ट्रस्टी मार्क डेनिस ने बोर्ड के लिए तीन स्वतंत्र डायरेक्टर के नाम प्रस्तावित किए हैं। इनमें सेलिना कैंग, पैट्रिक सिंगलटन और नॉर्मन वेन शामिल हैं। नई टीम ICC से निलंबित सदस्यता बहाल कराने और अमेरिकी क्रिकेट में प्रशासनिक स्थिरता लाने की जिम्मेदारी संभालेगी। यह प्रस्ताव USA क्रिकेट के रिऑर्गेनाइजेशन प्लान का हिस्सा है, जिसे अमेरिकी बैंकरप्सी कोर्ट में

अमेरिकी ने इसी साल अक्टूबर में पहली बार ICC मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 का खिताब जीता था।

दाखिल किया गया है। मेजर लीग क्रिकेट (MLC) की मालिक कंपनी अमेरिकन क्रिकेट एंटरप्राइजेज (ACE) ने भी संगठन को चलाने के लिए 29 करोड़ 68 लाख रुपए तक की अतिरिक्त फंडिंग देने का भरोसा दिया है।

2028 ओलिंपिक तक बिना चुनाव के चल सकता है बोर्ड

नए संविधान के तहत USA क्रिकेट के बोर्ड में 9 से 11 डायरेक्टर हो सकते हैं। इसमें खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों के पास कम से कम 33.3% वोटिंग अधिकार होंगे। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक, ICC की सदस्यता बहाल होने तक स्वतंत्र डायरेक्टर के पास बोर्ड की कमान रह सकती है। ऐसे में 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक तक सामान्य सदस्यों के बीच चुनाव कराए बिना भी संगठन चल सकता है।

हालांकि, दस्तावेजों में चुनाव कराने पर रोक नहीं लगाई गई है और न ही इसके लिए कोई निश्चित समयसीमा तय की गई है।

USA क्रिकेट की ICC सदस्यता सितंबर 2025 से निलंबित है। इस कारण संगठन को ICC से फंडिंग नहीं मिल रही।

जनवरी 2027 में कोर्ट की मंजूरी मिलने की उम्मीद

कोर्ट नियुक्त ट्रस्टी मार्क डेनिस ने 15 जनवरी 2027 के आसपास रिऑर्गेनाइजेशन प्लान की सुनवाई कराने का अनुरोध किया है। यह सुनवाई अधिकतम 22 जनवरी तक हो सकती है। फंडिंग व्यवस्था के लिए 29 जनवरी तक कोर्ट की मंजूरी जरूरी है।

प्लान को मंजूरी मिलने और सभी शर्तें पूरी होने के बाद तीनों नए डायरेक्टर पद संभाल सकते हैं। उसी समय USA क्रिकेट के मौजूदा बोर्ड के सभी सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

नए डायरेक्टर के चयन की प्रक्रिया पर ICC और अमेरिकी ओलिंपिक एवं पैरालिंपिक समिति (USOPC) ने भी नजर रखी है।

> **दरअसल, यूएसए क्रिकेट और एसीई के बीच लंबे समय से कमर्शियल समझौते को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष 2019 के शुरुआती समझौते की शर्तों के अनुरूप नया करार नहीं कर पाए थे। इसी मतभेद ने संगठन के प्रशासनिक संकट को और बढ़ाया।**
>
> **अब नए बोर्ड को एसीई के साथ मिलकर ऐसा समझौता करना होगा, जो आईसीसी की पहले उठाई गई आपत्तियों को भी दूर करे।**

ACE की रकम जुलाई में हुए पुराने सेटलमेंट के तहत तय फंडिंग के अतिरिक्त होगी। इसका इस्तेमाल संगठन के रोजमर्रा के खर्च और कामकाज के लिए किया जाएगा।

इस योजना में 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के बाद 2029 तक फंडिंग की व्यवस्था का भी प्रावधान है।

14 साल बाद भारतीय महिला खिलाड़ी डब्ल्यूटीए क्वार्टरफाइनल में

माया राजेश्वरन चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली। 17 साल की माया राजेशवरन रेवती चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। वह 14 साल बाद किसी WTA टूर-लेवल सिंगल्स टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

इससे पहले 2012 में सानिया मिर्जा ने पट्टाया ओपन में यह उपलब्धि हासिल की थी। माया ने बुधवार को राउंड ऑफ-16 में पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोवस्का को 6-4, 6-3 से हराया।

मैच की शुरुआत माया के लिए अच्छी नहीं रही। उन्होंने डबल फॉल्ट के साथ शुरुआत की और अपनी सर्विस गंवा दी। हालांकि, उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़ दी।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार 5 गेम में सर्विस ब्रेक हुए। इस दौरान डबल फॉल्ट और अनफोर्स्ड एरर्स भी देखने को मिले। फाल्कोवस्का ने एक समय 4-2 की

बढ़त बना ली थी। इसके बाद माया ने लगातार दो गेम जीतकर स्कोर 4-4 किया और फिर अपनी सर्विस बचाकर 5-4 की बढ़त हासिल की।

10वें गेम में फाल्कोवस्का ने दो डबल फॉल्ट किए और एक फोरहैंड शॉट भी बाहर मार दिया। इससे माया को सेट जीतने के दो मौके मिले। उन्होंने दूसरा सेट पॉइंट भुनाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में फाल्कोवस्का ने अपने शॉट्स में ज्यादा ताकत लगाने की कोशिश की, लेकिन माया ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और आठवें गेम में फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़कर 5-3 की बढ़त बना ली।

यूथ ओलिंपिक : 15 साल की तन्वी पात्री फाइनल में पहुंची

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय बन सकती हैं

नई दिल्ली। 15 साल की भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री यूथ ओलिंपिक गेम्स के फाइनल में पहुंच गई हैं। वे इस टूर्नामेंट में महिला सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। इसके साथ ही इस इवेंट में भारत का पहला महिला सिंगल्स मेडल भी पक्का हो गया है।

तन्वी ने सेमीफाइनल में जापान की दूसरी सीड युजुनो वतनाबे को 21-14, 11-21, 21-19 से हराया। अब गोल्ड मेडल मैच में उनका मुकाबला चीन की शिन झांग से आज रात होगा।

तन्वी ने मुकाबले की शुरुआत अच्छी की और पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। हालांकि, वतनाबे ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 21-11 से जीत हासिल की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के

बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय मुकाबला बराबरी पर था। हालांकि तन्वी ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और 21-19 से गेम जीतकर फाइनल में जगह बना ली। तन्वी का मैच चीन की मजबूत यी शिन झांग से है। झांग हाल ही में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। दोनों खिलाड़ी इस साल एशिया जूनियर चैंपियन-शिप के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने आई थीं। तब तन्वी को 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। यूथ ओलिंपिक में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है।

सुरेश रैना बोले- एक बार का किंग, हमेशा किंग, दिनेश कार्तिक की पोस्ट- आपकी फिटनेस का जवाब नहीं

आज 38 साल के हुए विराट कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली गुरुवार को 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर कई क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर बधाईयां दी हैं। इनमें शिखर धवन, रवि शास्त्री, सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक भी शामिल हैं।

सुरेश रैना ने लिखा- एक बार का किंग, हमेशा किंग रहता है। वहीं दिनेश कार्तिक ने कोहली के फिटनेस की तारीफ की है। भारत के पूर्व हेड कोच रहे रवि शास्त्री ने खास अंदाज में कोहली को जन्मदिन की बधाई दी है।

वनडे में सबसे ज्यादा शतक से लेकर कई बड़े कोहली के नाम हैं, लेकिन सबसे पहले जन्मदिन पर क्रिकेटरों के बधाई संदेश

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली की बल्लेबाजी करते हुए एक तस्वीर शेयर की।

> **पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन ने कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके खेल के प्रति जुनून, मेहनत और लगन की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि कोहली का खेल के प्रति प्यार आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करता है।**

सुरेश रैना बोले- कोहली को बल्लेबाजी करते देखना खुशी की बात

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने कोहली को किंग बताते हुए उनके कवर ड्राइव और यादगार रन चेज का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि कोहली ने क्रिकेट फैंस को अनगिनत यादें दी हैं। उन्हें कोहली की बल्लेबाजी देखना बेहद पसंद है।

दिनेश कार्तिक बोले- 38 में भी फिटनेस का जवाब नहीं

पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज और कोहली के RCB साथी दिनेश कार्तिक ने उनकी फिटनेस और खेल के जुनून की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'हर साल वही आग और जुनून। 38 साल की उम्र में भी इतनी फिटनेस पहले कभी नहीं देखी। जन्मदिन मुबारक हो विराट।'

विराट कोहली ने बुधवार को ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ 74 रन बनाए।

मनोज तिवारी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ साझेदारी याद की

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने कोहली के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई साझेदारी की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि कुछ साझेदारियां रनों के लिए नहीं, बल्कि उनसे जुड़ी यादों के लिए खास होती हैं। उन्होंने कोहली से इसी जुनून और समर्पण के साथ नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहने की बात कही। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने कोहली को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'आपका आने वाला जीवन स्वस्थ रहे। खुश रहो, आबाद रहो।'

मनोरंजन

समीक्षा को अपने बॉयफ्रेंड के धोखे की जानकारी नहीं थी, स्काउटओपी के सामने बात कबूल की

यंग डीएसए ने गर्लफ्रेंड को 10-12 बार किया चीट

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 20' (Bigg Boss 20) के कंटेस्टेंट यंग डीएसए (Yung DSA) ने अपनी गर्लफ्रेंड समीक्षा को कई बार धोखा देने की बात कबूल की है। यह बात तब सामने आई जब घर के अंदर उनके परिवार का एक ऑडियो मैसेज सुनाया गया, लेकिन उन्हें अपनी गर्लफ्रेंड की तरफ से कोई मैसेज नहीं मिला, जिससे वे काफी निराश दिखे।

अपने साथी कंटेस्टेंट स्काउटओपी (ScoutOP) से अपना दुख शेयर करते हुए, यंग ने कहा, 'मैंने समीक्षा को खो दिया है, स्काउट।'

इसके बाद यंग ने जो कहा, उसे सुनकर स्काउट हैरान रह गए। यंग ने जवाब दिया, 'नहीं, उसे पता ही नहीं था,' जिसका मतलब है कि

समीक्षा को उनके धोखे के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। यंग ने आगे अंदाजा

> **जब स्काउट ने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की, तो यंग ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि मैंने उसे बहुत बार धोखा दिया है। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने समीक्षा को लगभग 10-12 बार धोखा दिया है। यह सुनकर स्काउट ने पूछा, 'फिर भी वह तेरे साथ रही ना?'**

लगाया कि शायद उन्हें इस बारे में तब पता चला होगा जब वे 'बिग बॉस' के घर में आ गए थे। उन्होंने कहा, 'शायद जब मैं यहां आया, तब उसे इस बात का पता चला होगा।'

ऑटो रोकने के लिए सड़क पर चिल्लाई थीं करीना

सैफ को खून से लथपथ देखकर दौड़ी

नई दिल्ली। करीना कपूर ने बताया कि जनवरी 2025 में जब सैफ अली खान पर चाकू से हमला हुआ था, तब वह उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए रात में सड़क पर दौड़ी थीं। 'कॉफी विद करण' में करीना ने कहा कि वह नाइट टी-शर्ट में ऑटो रोकने के लिए चिल्ला रही थीं। उस समय सैफ खून से लथपथ खड़े थे।

करीना ने बताया कि वह करीब छह महीने तक ठीक से सो नहीं पाईं। सैफ ने कहा कि उन्होंने छोटे बेटे जेह को बचाने के लिए हमलावर का सामना किया।

करीना ने बताया, "मैं अपनी नाइट टी-शर्ट में थी। अच्छा हुआ कि किसी ने इसका वीडियो नहीं बनाया, करण। मैं सड़क पर चिल्ला रही थी-

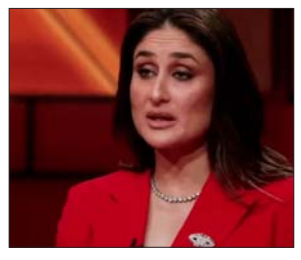

रुको, रुको।"

करीना ने कहा, "यह किसी फिल्म के सीन जैसा था। मेरे पास पायजामा पहनने का समय नहीं था। मैं सड़क पर दौड़ गई। यह बात किसी को पता नहीं है। मैं पहली बार बता रही हूं।"

उन्होंने बताया कि वह सैफ के खून बहने के बीच पागलों की तरह रिक्शा तलाश रही थीं।

कहा- इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिला, लारा दत्ता ने कैकेयी के किरदार पर भावुक नोट लिखा

रामायण में कैकेयी का किरदार निभाकर भावुक हुईं लारा दत्ता

- इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिला बताया
- अभिनेत्री ने अपने पिता को किया याद
- दर्शकों को देखने को मिलेगी आगे की कहानी
- नितेश तिवारी को एक्ट्रेस ने कहा धन्यवाद

> **इसे एक असाधारण सौभाग्य बताते हुए, अभिनेत्री ने कहा, 'एक ऐसी मां का किरदार निभाना वाकई एक असाधारण सौभाग्य है, जिसे शायद इतिहास में सबसे ज्यादा गलत समझा गया है। उनकी मानवीय संवेदनाओं को उनके दर्द, उनकी कमजोरियों, उनके अपराधबोध और उनके पछतावे को जीवंत करने की जिम्मेदारी मिलना, मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।'**

नई दिल्ली। 'रामायण' (Ramayana) के सिनेमाघरों में आने के साथ ही, इस पौराणिक महाकाव्य को लेकर लोगों के रिव्यू भी सामने आने लगे हैं। इसमें लारा दत्ता (Lara Dutta) कैकेयी का किरदार निभा रही हैं, जो भगवान राम को 14 साल के वनवास पर भेजती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद, अभिनेत्री ने इस अहम किरदार को निभाने के बारे में एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कैकेयी को इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिलाओं में से एक बताया और इस अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

लारा ने इतिहास को आकार देने में कैकेयी की भूमिका पर और विचार किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक इस किरदार के बारे में सदियों पुरानी धारणाओं से आगे देखेंगे और एक दिव्य भविष्यवाणी को पूरा करने में उनके योगदान को समझेंगे।

उन्होंने लिखा, 'मैं दिल से आभारी हूं। आज, यह दिव्य कहानी आप तक पहुंच रही है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने छोटे से प्रयास से माता कैकेयी के किरदार के साथ न्याय कर पाऊंगी।

आप सदियों पुरानी धारणाओं से परे जाकर, उस अहम भूमिका के लिए उन्हें अपनाएंगी जो उन्होंने एक दिव्य

रामायण में निभाया कैकेयी का रोल

इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए, अभिनेत्री भावुक भी हो गईं। उन्होंने इच्छा जताई कि काश उनके पिता भी उनके जीवन के इस खास पल को देखने के लिए वहां मौजूद होते।

इंस्टाग्राम पर लारा ने एक दिल छू लेने वाला नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उस कहानी का हिस्सा बनने के अपने सफर के बारे में बताया, जिसे उन्होंने 'कालजयी' कहानी कहा।

भविष्यवाणी को सच करने में निभाई थी।' लारा ने इस अवसर के लिए निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी का भी धन्यवाद किया। अपने सह-कलाकारों और क्रू सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए, उन्होंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को अपने लिए एक सौभाग्य बताया। अपने नोट के अंत में, अभिनेत्री ने अपने पिता को याद करते हुए एक भावुक मैसेज भी लिखा।

कट्टरपंथी नेता बोले- इसके बिना सुरक्षित नहीं, अली खामेनेई ने फतवा निकालकर रोक लगाई थी

ईरान की मस्जिदों में परमाणु बम बनाने की मांग उठी

नारेबाजी

तेहरान, एजेंसी

ईरान में परमाणु बम बनाने की मांग हो रही है। देश की मस्जिदों में शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम और कट्टरपंथी नेता खुले तौर पर कह रहे हैं कि अमेरिका और इजराइल से सुरक्षा के लिए परमाणु हथियार बनने चाहिए।

यह मांग ऐसे समय में उठ रही है, जब ईरान के नेता अमेरिका और इजराइल के साथ जारी जंग को खत्म करने की कोशिशें कर रहे हैं।

देश के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई ने फतवा जारी कर परमाणु बम बनाने और इस्तेमाल करने पर बैन लगाया था।

अब इसके खिलाफ आवाज उठने लगी है। अली खामेनेई चाहते थे कि ईरान परमाणु बम न बनाए लेकिन इतना सक्षम जरूर दिखे कि अमेरिका और इजराइल उस पर हमला करने से डरें। उन्हें लगता था कि ईरान की परमाणु ताकत को लेकर बना डर ही दुश्मन देशों को हमला करने से रोक देगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ जंग शुरू कर दी। इस साल अमेरिका के हमले में अली खामेनेई की भी मौत हो गई। ईरान के

ईरान के धर्मगुरु तेहरान में अमेरिका का झंडा जलाते हुए। तस्वीर 4 नवंबर 2026 की है।

> ईरान में परमाणु हथियारों पर रोक लगाने वाली अंतरराष्ट्रीय संधि से बाहर निकलने की मांग भी बढ़ रही है। इस संधि के तहत ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाने का वादा किया है। ईरान के विदेश मामलों के जानकार मोहम्मद गदरी के मुताबिक, पहले सरकार में कुछ ही लोग संधि से बाहर निकलने की बात करते थे। लेकिन अब ज्यादा नेता इसके पक्ष में आ रहे हैं।

जानकार मोहम्मद अली शबानी के मुताबिक, इन हमलों के बाद ईरान में लोगों की सोच बदल रही है। अब उन्हें लगने लगा है कि अगर देश के पास परमाणु बम होता, तो अमेरिका और इजराइल हमला करने से पहले कई बार सोचते। यानी परमाणु बम न बनाने के बावजूद ईरान को हमले झेलने पड़े।

शुक्रवार की नमाज के बाद लग रहे परमाणु बम के लिए नारे

पिछले हफ्ते ईरान के पश्चिमी शहर कुहदाश्त में शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम ने कहा था कि हमें परमाणु हथियारों से लैस होना चाहिए, ताकि हम अपराधी अमेरिका का मजबूती से मुकाबला कर सकें। उनके इस बयान के बाद नमाजियों ने नारा लगाया- परमाणु हथियार बनाकर अपना बचाव करना हमारा हक है। तेहरान में भी शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम अकबरी ने परमाणु नीति बदलने को देश की जरूरत बताया। इस पर भी लोगों ने वही नारा लगाया।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम हमेशा विवादों में रहा है

ईरान की सरकार हमेशा कहती रही है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। हालांकि, पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां पहले कई बार दावा कर चुकी हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के कुछ अधिकारियों ने ईरान पर परमाणु बम बनाने की तैयारी करने का आरोप भी लगाया था। साल 2015 में ईरान और अमेरिका समेत दुनिया की बड़ी ताकतों के बीच परमाणु समझौता हुआ था।

आयरलैंड से रोम जा रहे एयरबस विमान को बम से उड़ाने की धमकी

फ्रांस के एयरबेस पर करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

पेरिस, एजेंसी

यूरोप में उड़ानों को लगातार मिल रही धमकियों के बीच एक और बड़ी घटना सामने आई है। आयरलैंड की राजधानी डबलिन से इटली की राजधानी रोम जा रहे एयरबस A320 विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की खबर सामने आ रही है।

इस घटना के सामने आने के बाद एयरबस A320 विमान को फ्रांस में डायवर्ट करना पड़ा। इस बात की जानकारी फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के कार्यालय ने गुरुवार को दी।

अधिकारियों के मुताबिक, धमकी मिलने के बाद विमान को तुरंत फ्रांस के एवरू एयरबेस पर सुरक्षित उतार लिया गया। फ्रांस के प्रधानमंत्री कार्यालय का कहना है कि स्थिति पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से यूरोप में उड़ानों को निशाना बनाकर इस तरह की फर्जी या गंभीर धमकियां मिलने की घटनाओं में तेजी आई है, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्कता बरत रही हैं।

- आयरलैंड से रोम जा रहे एयरबस ए320 को बम की धमकी।
- विमान को फ्रांस के एवरू एयरबेस पर सुरक्षित उतारा गया।
- यूरोप में उड़ानों को मिल रही धमकियों में तेजी।

फास्ट न्यूज

भारतीय मूल की नित्या रमन बनीं लॉस एंजिल्स की मेयर

वाशिंगटन। भारतीय मूल की सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन ने लॉस एंजिल्स का मेयर चुनाव जीत लिया है। नित्या रमन ने इस इलेक्शन में मौजूदा मेयर करेन बास को हराया। नित्या रमन जो कुछ हफ्ते पहले तक सार्वजनिक रूप से करेन बास का समर्थन कर रही थीं, अब उन्होंने ही चुनाव में मौजूदा मेयर को मात दी है। रमन, जो 2020 में पहली बार लॉस एंजिल्स सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं, फरवरी में मेयर पद की दौड़ में शामिल हुईं।

रियाद हवाई अड्डे पर हमले में घायल हुए दूसरे भारतीय नागरिक की मौत

रियाद। सऊदी अरब के रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 10 अक्टूबर को हुए हमले में घायल दूसरे भारतीय नागरिक की मौत से मरने वालों की संख्या बढ़ गई है। अब ये संख्या बढ़ कर 14 हो गई है। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने बुधवार को बताया कि इस घटना में गंभीर रूप से घायल एक और भारतीय नागरिक की इलाज के दौरान आईसीयू में मौत हो गई। सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन के अनुसार, इस घटना में शुरुआत में 12 लोगों की मौत हुई थी और 309 लोग घायल हुए थे।

'ईरान युद्ध की वजह से हारे चुनाव'

वाशिंगटन। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में डोनल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की बड़ी हार हुई है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस हार का कारण साफ तौर पर ईरान युद्ध बताया। जेडी वेंस की इस बात का समर्थन डोनल्ड ट्रंप के सबसे बड़े बेटे ट्रंप जूनियर ने भी किया। इससे राष्ट्रपति के अपने खेमे के अंदर से ईरान युद्ध को लेकर मौजूद मतभेद सामने आ गए हैं।

हांगकांग के एक्टिविस्ट जोशुआ वोंग को 10 साल की जेल

विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत पर हुई सजा

हांगकांग, एजेंसी

हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का वैश्विक चेहरा बने एक्टिविस्ट जोशुआ वोंग को गुरुवार को 10 साल की सजा सुनाई गई।

जोशुआ वोंग को शहर के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने के आरोप में 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई है।

वोंग उन युवाओं के समूह में शामिल थे, जिनके विरोध प्रदर्शनों को बीजिंग द्वारा 2020 में हांगकांग पर थोपे गए व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत प्रभावी रूप से गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। यह कानून कुछ हिंसक प्रदर्शनों के बाद लागू किया गया था।

हाई कोर्ट के जज विलियम टैम ने खचाखच भरे कोर्ट रूम में

सजा सुनाते हुए कहा, सजा अपराध की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए। 30 वर्षीय वोंग पर आरोप था कि उन्होंने खुद निर्वासन में रह रहे कार्यकर्ता नाथन ला और अन्य लोगों के साथ मिलकर चीन के बाहर के देशों, संगठनों या व्यक्तियों से आग्रह किया था कि वे सरकार के खिलाफ प्रतिबंध लगाएं, नाकेबंदी करें या अन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियां चलाएं। स्वीकार किया अपराध

सितंबर में उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। वोंग और अन्य लोगों के मामलों पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों के साथ-साथ कुछ पश्चिमी और एशियाई देशों की भी पैनी नजर है, जो पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश रहे हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किए जाने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं।

सरकार नियम बदल सकती है, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स की कानूनी सुरक्षा हटाने की तैयारी

यूजर्स की पोस्ट के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जिम्मेदार होंगे

विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और X जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म करने पर विचार कर रही है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, IT मंत्रालय ने सोशल मीडिया नियमों में बदलाव पर चर्चा शुरू की है। इसके तहत यूजर्स की पोस्ट, वीडियो और कमेंट के लिए प्लेटफॉर्म्स को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

अभी IT एक्ट की धारा 79 के तहत इन कंपनियों को 'सेफ हार्बर' सुरक्षा मिलती है। इसके

तहत यूजर्स की पोस्ट और कमेंट के लिए कंपनियों को सीधे जिम्मेदार नहीं माना जाता।

सरकार इस सुरक्षा को सोशल मीडिया कंपनियों से हटाकर इंटरनेट, टेलीकॉम और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स तक सीमित करने पर विचार कर रही है।

इससे पहले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने दिल्ली पुलिस को उन आरोपों की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया था, जिनमें कहा गया था कि Meta के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम पर पेड विज्ञापनों के जरिए भारत में चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल (CSAM) को बढ़ावा दिया गया।

> एनएचआरसी ने पुलिस को यह भी जांचने का निर्देश दिया था कि क्या टेक कंपनी और दूसरे संबंधित पक्षों ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट के तहत अनिवार्य रिपोर्टिंग से जुड़ी जिम्मेदारियों का पालन किया था।

सुरक्षा की वजह से बढ़ा मेटा और गूगल का कारोबार

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सुरक्षा ने मेटा, गूगल और X जैसी कंपनियों को यूजर-जनरेटेड कंटेंट पर बड़े कारोबार खड़े करने में मदद की है। उन्हें हर पोस्ट, वीडियो या कमेंट की कानूनी जिम्मेदारी नहीं उठानी पड़ती। सरकार के एक वर्ग का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब सिर्फ जानकारी पहुंचाने वाले माध्यम नहीं हैं। वे एल्गोरिदम से कंटेंट की रैंकिंग, सिफारिश और पहुंच तय करते हैं। ये प्लेटफॉर्म अपनी कम्युनिटी गाइडलाइन के आधार पर पोस्ट हटाते या सीमित करते हैं। ये नियम कई बार भारतीय कानूनों से अलग हो सकते हैं।

सभी डेमोक्रेटिक पार्टी से, ट्रम्प ने विवेक रामास्वामी का प्रचार किया, फिर भी हारे

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में 6 भारतवंशी जीते

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में 6 भारतवंशी नेताओं ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनाव में जीत हासिल की है। ये सभी डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं।

जीतने वालों में रो खन्ना, अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, सुहास सुब्रमण्यम, पिया दांडिया और अमीश शाह शामिल हैं। इससे पहले 2024 के चुनाव में 6 भारतवंशी इस सदन के लिए चुने गए थे।

इस बार सीनेट के लिए किसी भारतीय मूल के उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा था। वहीं, गवर्नर पद के लिए भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने ओहायो से दावेदारी पेश की थी, लेकिन वे डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से हार गए।

कैलिफोर्निया के तीसरे संसदीय क्षेत्र से एमी बेरा लगातार आठवीं बार सांसद चुने गए हैं। उन्होंने

एमी बेरा भारतीय मूल के नेताओं में सबसे लंबे समय से अमेरिकी संसद के सदस्य हैं।

रिपब्लिकन उम्मीदवार रॉब टकर को 23 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है। बेरा पेशे से डॉक्टर हैं। वह 2012 में पहली बार सांसद बने थे।

अमी बेरा का परिवार अमेरिका में होटल का कारोबार करता था। बचपन में वह वीकेंड और छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता के होटल में काम करते थे। इस दौरान उन्होंने होटल के छोटे-मोटे काम सीखे और कारोबार को करीब से समझा।

बाद में डॉक्टर बनने के बाद 1995 में उन्होंने खुद भी एक छोटा होटल खरीदा। वह करीब 2012 तक इसके मालिक रहे। इसके बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा। बेरा ने 2010 में पहली बार चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए। दो साल बाद दोबारा मैदान में उतरे और जीतकर अमेरिकी संसद पहुंचे।

उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार रितेश टंडन को 42 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है। टंडन इससे पहले 2020 और 2022 में भी रो खन्ना के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं।

रो खन्ना कॉलेज में पढ़ाई के दौरान बराक ओबामा के लिए प्रचार करते थे। 1996 में ओबामा इलिनॉय की राज्य सीनेट का चुनाव लड़ रहे थे। खन्ना उनके लिए लोगों के घरों तक गए और वोट मांगे। यही से उनका राजनीति में सीधा जुड़ाव हुआ।

रो खन्ना के नाना अमरनाथ विद्यालंकार भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ लेख लिखे और विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। इसके लिए उन्हें करीब चार साल जेल में रहना पड़ा था।

वॉशिंगटन के 7वें संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमिला जयपाल ने लगातार छठी बार जीत दर्ज की है। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार नीरव शेठ को 1.52 लाख से ज्यादा वोटों से हराया है।

प्रमिला 2017 से इस सीट पर सांसद हैं। वह हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पहुंचने वाली पहली भारतीय मूल की महिला हैं। उनका जन्म चेन्नई में हुआ था।

दोस्त की हत्या कर जानवरों के शव के साथ तीन साल तक फ्रीजर में रखे अवशेष

लंदन, एजेंसी

यूनाइटेड किंगडम में एक व्यक्ति ने अपनी करीबी दोस्त की हत्या कर दी और उसके शव के टुकड़ों को लगभग तीन साल तक एक फ्रीजर में छिपाकर रखा। शव के इन हिस्सों को उसके पांच पालतू गिनी पिग के शवों के साथ रखा गया था।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हत्या के मामले में सुनवाई शुरू हो गई है और सरकारी वकीलों ने कोर्ट के सामने इस घटना के बेहद चौंकाने वाले विवरण पेश किए हैं। लिवरपूल क्राउन कोर्ट के अनुसार, 65 वर्षीय जॉर्ज गॉर्डन ने अप्रैल 2023 में अपनी दोस्त और रूममेट डेलिया मैकइननी की कथित तौर पर हत्या कर दी थी। मौत के समय डेलिया की उम्र 62 साल थी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि गॉर्डन ने डेलिया की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। शुरुआत में उसने पुलिस को बताया था कि डेलिया ने जरूरत से ज्यादा दवा ले ली थी और उसकी तकलीफ खत्म करने के लिए

उसने उसे हथौड़े से मारा था। अब उसने दावा किया है कि उसने आत्मरक्षा में ऐसा किया था।

गॉर्डन लिवरपूल क्राउन कोर्ट के कटघरे में मौजूद नहीं था। जांचकर्ताओं ने जूरी को बताया कि यह हत्या उस समय से कुछ ही दिन पहले हुई थी जब मैकिनर्नी अपने पालतू जानवरों के साथ एक नई जिंदगी शुरू करने के लिए पुर्तगाल जाने की योजना बना रही थी।

वित्तीय धोखाधड़ी और किसी और का रूप धरने के कई मामले सामने आने के बाद सच्चाई का पता चला। अभियोजकों ने बताया कि हत्या के तुरंत बाद गॉर्डन ने मैकिनर्नी के बैंक खातों से पैसे निकाल लिए, ऑनलाइन एक चेस्ट फ्रीजर मंगवाया और उसके बाद कई सालों तक खुद को मैकिनर्नी बताकर काम करता रहा।

आरोप : इन पर फर्जी तरीके से ईरानी जहाजों को ट्रेड की मंजूरी दिलवाने का आरोप

अमेरिका का भारतीय दंपती से जुड़ी 9 कंपनियों पर प्रतिबंध

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने बुधवार को ईरान के तेल कारोबार में मदद करने के आरोप में चंडीगढ़ के एक कारोबारी दंपती समेत 4 भारतीयों और उनसे जुड़ी 9 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इन लोगों पर ईरान के गुप्त तेल जहाजों (शैडो फ्लीट) को दूसरे देशों के झंडे और फर्जी कागजात दिलाने का आरोप है।

इस नेटवर्क की मदद से ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों की असली पहचान छिपाई जाती थी, ताकि वे अमेरिकी प्रतिबंधों से बच सकें।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय का आरोप है कि यह नेटवर्क 2014 से सक्रिय

था। शुरुआत में इसने कैरेबियाई देश डोमिनिका की जहाज रजिस्ट्रेशन एजेंसी बनकर काम करने की कोशिश की। इसके बाद नेटवर्क ने गुयाना, मोजाम्बिक, माली, मलावी और अरूबा समेत कई देशों के नाम पर फर्जी वेबसाइटें बनाईं। इनके जरिए जहाजों को उन देशों का रजिस्ट्रेशन दिलाने का दिखावा किया जाता था। जब किसी जहाज का मालिक अपने देश के बजाय किसी दूसरे देश में जहाज का रजिस्ट्रेशन कराता है, तो इसे 'फ्लैग ऑफ कन्वीनिएंस' कहते हैं। इसके बाद जहाज उस देश का झंडा लगाकर चलता है और उस पर उसी देश के समुद्री कानून और नियम लागू होते हैं। आमतौर पर जहाज मालिक ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि कुछ देशों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आसान होती है और नियम भी कम सख्त होते हैं। लेकिन इस मामले में अमेरिका का आरोप है कि इस व्यवस्था का गलत इस्तेमाल करके ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों की असली पहचान छिपाई गई।

> प्रतिबंध लगने के बाद अमेरिका में इन लोगों और कंपनियों की संपत्तियां फ्रीज कर दी गई हैं। अमेरिकी नागरिक और कंपनियां अब इनके साथ किसी तरह का कारोबार या पैसों का लेनदेन नहीं कर सकेंगी। इसके अलावा, ईरानी एयरलाइंस को मदद देने के आरोप में तुर्किये की एक कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

दूसरे देश के झंडे के साथ समुद्र में चलते थे जहाज

प्रतिबंधों की सूची में चंडीगढ़ के रहने वाले सुनील कुमार शर्मा, उनकी पत्नी जसप्रीत प्रीति शाहिद, अश्वनी कुमार धीमान और इशविंदर सिंह के नाम शामिल हैं। इनके अलावा भारत में पंजीकृत 8 और सिंगापुर में पंजीकृत एक कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी फर्जी वेबसाइटों और संस्थाओं के जरिए जहाजों को दूसरे देशों का रजिस्ट्रेशन दिलाने का काम करते थे। आरोप है कि वे बिना संबंधित देशों की सरकारी मंजूरी के गुयाना और मोजाम्बिक जैसे देशों के नाम पर जहाजों का पंजीकरण कराते थे। इस फर्जी रजिस्ट्रेशन का इस्तेमाल ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों की असली पहचान छिपाने के लिए किया जाता था। जहाज किसी दूसरे देश के झंडे के साथ समुद्र में चलते थे, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाता था कि उनका असली मालिक कौन है और वे किस देश से जुड़े हैं। इससे उन पर नजर रखना और उन्हें पकड़ना भी मुश्किल हो जाता था।

'ड्रोन के मामले में अमेरिका से काफी आगे यूक्रेन

रूस युद्ध ने खोल दी हमारी आंखें' पेंटागन अधिकारी का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी

पेंटागन के टेक्नोलॉजी चीफ एमिल माइकल ने कहा है कि अमेरिका आधुनिक ड्रोन युद्ध के उभार के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि यूक्रेन को युद्ध के मैदान में अपनी जरूरत की कुछ तकनीकें खुद विकसित करनी पड़ीं, क्योंकि अमेरिका उन्हें उपलब्ध नहीं करा सका। वॉल स्ट्रीट जनर्ल टेक कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए माइकल ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष ने अमेरिका की सैन्य तैयारियों में बड़ी कमियों को उजागर कर दिया है, जिसके बाद देश की ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयासों में तेजी आई है। कैलिफोर्निया के नापा में एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए माइकल ने कहा कि पेंटागन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन कितने अहम हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यूक्रेन और

रूस के बीच ड्रोन युद्ध ने हमें पूरी तरह से चौंका दिया। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था क्योंकि उसने कभी ऐसा सोचा ही नहीं था।

उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग अब भविष्य के संघर्षों की तैयारी पर ध्यान दे रहा है और यह समझने की कोशिश कर रहा है कि युद्ध का स्वरूप कैसे बदल सकता है। माइकल ने माना कि हालांकि अमेरिका ने रूस के साथ युद्ध के दौरान यूक्रेन को काफी मदद दी, लेकिन यूक्रेनी सेना को अक्सर युद्ध के मैदान में खुद ही अपने समाधान खोजने पड़े।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676